

(B.)

भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 1] नई दिल्ली, शनिवार, जनवरी 2, 1971 पौष 12, 1892

No. 1] NEW DELHI, SATURDAY, JANUARY 2, 1971/PAUSA 12, 1892

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

(रक्षा मंत्रालय को छोड़ कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य-क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गये विधि के अन्तर्गत बनाये और जारी किये गये साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)।

General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of a general character) issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories).

CABINET SECRETARIAT
(Department of Personnel)

New Delhi, the 11th December 1970

G.S.R. 1.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule 11 of the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, the Central Government hereby makes the following amendments in Schedule III appended to the said Rules.

1. (a) These amendments may be called the eighteenth Amendment of 1970 to the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954.

(b) They shall come into force from the date of publication in the Government Gazette.

Amendment to Schedule III-C to the IAS (Pay) Rules, 1954

2. In the said Schedule III under the heading 'C—Posts carrying pay above the time-scale or special pay in addition to pay in the time-scale under the Central Government when held by members of the Service', against 'Transport', for entry:—

"Chairman of the Commissioners for the Port of Calcutta—Rs. 2,750.

Chairman, Bombay Port Trust—Rs. 2,750".

the following entries shall be substituted:—

Ministry of Shipping and Transport (Department of Transport)

"Chairman, Calcutta Port Commissioners—Rs. 2,750—125—3,000.

Chairman, Bombay Port Trust—Rs. 2,750—125—3,000."

[No. 1/76/70-AIS(II).]

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्गु विभाग)

नई दिल्ली, 11 दिसम्बर, 1970

सांकांनि० 1 :—भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954 के नियम 11 के साथ पठित अखिल भारतीय सेवाएं अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त नियमों के साथ संलग्न अनुसूची III में निम्नलिखित संशोधन करती है :—

1. (क) इन संशोधनों को भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954 का 1970 का आठवां संशोधन कहा जा सकेगा।

(ख) यह संशोधन भारत के राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होगा।

भारतीय प्रशासन सेवा (वेतन) नियम, 1954 की अनुसूची III-ग में संशोधन

2. उक्त अनुसूची III में "ग—केन्द्रीय सरकार के अधीन वे पद जिन पर समय वेतनमान से अधिक वेतन देय हो या समय वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त विशेष वेतन वाले पद जबकि सेवा के सदस्य उन पर कार्य कर रहे हों" "परिवहन" के सामने निम्नलिखित प्रविष्टि को जगह :—

कलकत्ता के बंदरगाह के आयुक्तों के अध्यक्ष 2750 रु०

अध्यक्ष, बम्बई पोर्ट ट्रस्ट 2750 रु०

निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जायेंगी :—

जहाजरानी और परिवहन मंत्रालय (परिवहन विभाग)

कलकत्ता पोर्ट आयुक्तों के अध्यक्ष रु० 2750-125-3000

अध्यक्ष, बम्बई पोर्ट ट्रस्ट रु० 2750-125-3000

New Delhi, the 15th December 1970

G.S.R. 2.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All-India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule 7 of the Indian Police Service (Probation) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the State Governments and the Union Public Service Commission, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Police Service (Probationers' Final Examination) Regulations, 1969, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Indian Police Service (Probationers' Final Examination) Second Amendment Regulations, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In Schedule I to the Indian Police Service (Probationers' Final Examination) Regulations, 1969,—

(i) under the heading "IV. FUNCTIONS AND DUTIES OF THE POLICE", after item 5, the following item shall be inserted, namely:—

"8. Principles underlying labour legislation.";

(ii) in the heading "V. LAW", under the sub-heading "1. Indian Criminal Law", (a) for item (v), the following item shall be substituted, namely:—

"(v) The Citizenship Act, 1955 (57 of 1955);

(b) for item (ix), the following items shall be substituted, namely:—

"(ix) The Passport (Entry into India) Act, 1920 (34 of 1920) and the rules made thereunder.

(ix-a) The Passports Act, 1967 (15 of 1967) and the rules made thereunder."

[No. 29/4/70-AIS(III).]

G. BALAKRISHNAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1970

सांफा नं० 2 :—भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के नियम 9 के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राज्य सरकार और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से केन्द्रीय सरकार भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षाधीनों की अन्तिम परीक्षा) विनियम, 1969 में और अधिक संशोधन करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) ये विनियम भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षाधीनों की अन्तिम परीक्षा) द्वितीय संशोधन विनियम, 1970 क जा सकेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षाधीनों की अन्तिम परीक्षा) विनियम 1969 की अनुसूची I में :—

(i) "IV पुलिस के कार्य व कर्तव्य" शीर्षक के अधीन मद 5 के बाद निम्नलिखित मद डाला जायेगा, अर्थात् :—

"6. श्रम विधान के आधारभूत सिद्धान्त "

(ii) "V विधि" शीर्षक में उप शीर्षक "1 भारतीय दण्ड विधि" के अन्तर्गत —

(क) मद (V) के स्थान पर निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित किया जाय, अर्थात्—

" (V) नागरिकता अधिनियम, 1955 (1955 का 57)

(ख) मद (ix) के स्थान पर निम्नलिखित मद प्रतिस्थापित किये जायें, अर्थात् :—

“(ix) पासपोर्ट (भारत में प्रवेश) अधिनियम, 1920 (1920 का 34)
तथा उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम।

(ix-क) पासपोर्ट अधिनियम, 1957 (1957 का 15)

तथा उसके अन्तर्गत बनाये गये नियम।

[सं० 29/4/70-अ० भा० से० (3)]

जी० बालकृष्णन्, उप सचिव।

New Delhi, the 17th December 1970

S.S.R. 3.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution the President hereby makes the following rules further to amend the Union Public Service Commission (Ex-cadre Posts) Recruitment Rules, 1959, namely:—

1. (1) These rules may be called the Union Public Service Commission (Ex-cadre Posts) (Fifth Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Union Public Service Commission (Ex-cadre Posts) Recruitment Rules, 1959, for rule 3, the following rule shall be substituted, namely:—

“**Disqualification.**—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party in the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.”

[No. 22/8/70-Ests(B)].

S. KRISHNAN, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1970

जी० एच० आर० 3:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा संघ लोक सेवा आयोग (काडर-बाह्य पद) भर्ती नियम, 1959 में और आगे संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) ये नियम संघ लोक सेवा आयोग (काडर-बाह्य पद) (पंचम संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. संघ लोक सेवा आयोग (काडर-खा य-पद) भर्ती नियम 1959 में, नियम 3 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“निरहताएं .—वह व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्त से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुये, किसी व्यक्ति से विवाह किया है ,

उक्त पदों में से किसी पर भी नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार की लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिये अन्य आधार मौजूद है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

[सं० 22/8/70-स्थापना (बी)]

एस० कृष्णन्, उप सचिव ।

New Delhi, the 17th December 1970

G.S.R. 4.—In pursuance of sub-rule (4) of rule 12 of the Central Secretariat Clerical Service Rules, 1962, the Department of Personnel in the Cabinet Secretariat hereby makes the following regulations further to amend the Central Secretariat Clerical Service (Competitive Examination) Regulations, 1965, namely:—

1. (1) These regulations may be called the Central Secretariat Clerical Service (Competitive Examination) (Fifth Amendment) Regulations, 1970.

(2) They shall be deemed to have come into force on the 21st November, 1970.

2. In the Central Secretariat Clerical Service (Competitive Examination) Regulations, 1965—

(1) in sub-regulation (1) of regulation 2,—

(i) clause (a) shall be relettered as clause (aa) and before clause (aa) as so relettered, the following clause shall be inserted, namely:—

“(a) ‘anticipated vacancies’ means the vacancies in the Lower Division Grade of the Service which, on the basis of likely future vacancies as anticipated before the declaration of the results, may be required to be filled after filling the available vacancies, but before the declaration of the results of the next following Clerks Grade Examination”;

(ii) the word “and” at the end of clause (b) shall be omitted;

(iii) after clause (bb), the following clause shall be inserted, namely:—

(bbb) ‘reserve list’ means a list containing the names in the order of merit, the number of which would be decided before the declaration of the results of the Examination, for being utilized for making appointments to the Lower Division Grade of the Service before the declaration of the results of the next following Clerks’ Grade Examination”;

(2) in sub-regulation (1) of regulation 7, for the words “the number of appointments decided to be made”, the words “the number of available vacancies and anticipated vacancies” shall be substituted;

(3) in regulation 8, after sub-regulation (4), the following sub-regulation shall be inserted, namely:—

“(4A) A reserve list containing names in the order of merit may also be drawn up for being utilized for making appointments to anticipated

vacancies in the Service, and the candidates whose names are placed in such list shall, subject to the provisions of sub-regulation (5) of this regulation, be considered for appointment in the order in which their names appear in that list:

Provided that where any candidate whose name is placed in the reserve list as aforesaid remains unabsorbed by the time the results of the next following Clerks' Grade Examination are declared, such candidate shall have no claim for appointment on the basis of the results of the earlier examination."

[No. 9/5/70-CS-II.]

M. K. VASUDEVAN, Under Secy.

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1970

जी० एस० आर० 4.—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवानियम, 1962 के नियम 2 के उप नियम (4) के अनुसरण में, मंत्रिमंडल सचिवालय का कार्मिक विभाग, केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1965 को और संशोधित करने के लिये एतद्द्वारा निम्नलिखित विनियम, बनाता है, अर्थात्:—

1(1) ये विनियम केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) (पांचवा संशोधन) विनियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये 21 नवम्बर, 1970 से लागू हुए समझे जायेंगे।

2. केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा (प्रतियोगिता परीक्षा) विनियम, 1965 में—

(1) विनियम 2 के उप विनियम (1) में

(1) खंड (क) को खंड (कक) के रूप में लिखा जाएगा और इस प्रकार खंड (क) के पहले निम्नलिखित खंड जोड़ा जायगा, अर्थात्:—

(क) प्रत्याशित रिक्तियों से अभिप्राय इस सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में उन रिक्त स्थानों से है जो भविष्य में संभावित रिक्त स्थानों के आधार पर परिणाम घोषित किये जाने के पहले प्रत्याशित किये गये हों, और बाद में, होने वाली अगली लिपिक ग्रेड परीक्षा के परिणाम की घोषणा से पहले उपलब्ध रिक्त स्थान भरने के बाद भरे जाने अपेक्षित हों।

(II) खंड (ख) का अंतिम शब्द "तथा" हटा दिया जायगा,

(III) खंड (ख ख) के बाद, निम्नलिखित खंड जोड़ा जायगा, अर्थात्:—

(खखख) "आरक्षित सूची" से अभिप्राय उस सूची से है जिस में योग्यता के क्रम से वे नाम दिये जायेंगे जिनकी संख्या बाद में होने वाली अगली लिपिक ग्रेड परीक्षा के परिणामों की घोषणा किये जाने के पहले उस सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में नियुक्तियों के लिये उपयोग में लाने के लिये परीक्षा के परिणामों की घोषणा करने के पहले निश्चित की गई हो,

(2) विनियम 7 के उप विनियम (1) में "नियुक्तियां करने के लिए निश्चित की गई संख्या" शब्दों के स्थान पर "उपलब्ध रिक्त स्थानों की संख्या" शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे,

(3) विनियम 8 में, उप विनियम (4) के बाद निम्नलिखित उप विनियम जोड़ा जायगा, अर्थात् :-

“(4क) उस सेवा में प्रत्याशित रिक्त स्थानों की नियुक्ति में उपयोग किये जाने के लिये गुणानुक्रम से नामों की ओरक्षित सूची भी बनाई जाय, और जिन उम्मीदवारों के नाम ऐसी सूची में प्रविष्ट किए गए हों इस विनियम के उप विनियम (5) के उपबंधों के अधीन, उनकी नियुक्ति के लिये उसी क्रम से विचार करना चाहिये जिस गुणानुक्रम से उनके नाम उस सूची में प्रविष्ट किये गये हों ,

किन्तु शर्त यह है कि उपर्युक्त ओरक्षित सूची ; प्रविष्ट कोई उम्मीदवार अगली लिपिक ग्रेड परीक्षा के परिणाम घोषित किये जाने तक नियुक्त नहीं हो पाये तो ऐसे उम्मीदवार का पिछली परीक्षा के परिणामों के आधार पर नियुक्त होने का कोई दावा सम्पादित हो जायगा ।”

[सं० 9/5/70-के० से० (2)]

एम० के० वासुदेवन, अवर सचिव ।

रेल मंत्रालय

(रेल बोर्ड)

नई दिल्ली 14 मार्च, 1970

रेल बोर्ड सचिवालय सेवा अनुभाग अधिकारी ग्रेड परिसीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा विनियम 1970

सा० का० नि० 423:—रेल बोर्ड सचिवालय सेवा नियम, 1969 की अनुसूची के पैरा 2 के उपपैरा (2) के उपबंधों के अन्तर्गत में केन्द्रीय सरकार का रेल मंत्रालय, संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से, एतद्द्वारा निम्नलिखित विनियम बनाता है अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम:— ये विनियम रेल बोर्ड सचिवालय सेवा अनुभाग अधिकारी ग्रेड परिसीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा विनियम, 1970 कहे जा सकेंगे ।

2. परिभाषाएं:—(1) इन विनियमों में जब तक संदर्भ द्वारा अन्यथा अपेक्षित न हो

(क) 'निर्णायक तारीख' से उस वर्ष की जुलाई का प्रथम दिन अभिप्रेत है जिसमें परीक्षा आयोजित की जाए;

(ख) 'परीक्षा से केन्द्रीय सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा अनुभाग अधिकारी श्रेणी के लिए चयन सूची में परिवर्धन के लिए ली गई परिसीमित विभागीय परीक्षा अभिप्रेत है;

(ग) 'चयन से अनुभाग अधिकारी ग्रेड के लिए चयन सूची में सम्मिलित किया जाना अभिप्रेत है ।

(2) अन्य सभी शब्दों और पदों के जो इन विनियमों में प्रयुक्त हुए हैं और इसमें परिभाषित नहीं हैं, क्रमशः वे ही अर्थ होंगे जो उन्हें रेल बोर्ड सचिवालय सेवा नियम, 1969 में दिए गए हैं ।

3. परीक्षा का आयोजन:—(1) परीक्षा केन्द्रीय सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा समय-समय पर उसके द्वारा अधिसूचित रीति से आयोजित की जाएगी।

(2) तारीख जिनको और स्थान जहां परीक्षा आयोजित की जाएगी केन्द्रीय सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा नियत किए जाएंगे।

4. पात्रता की शर्तें:—रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड का या रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा के ग्रेड 2 का कोई स्थायी या अस्थायी अधिकारी जो निर्णायक तारीख को, निम्नलिखित शर्तें पूरी करता है परीक्षा में बैठने का पात्र होगा :—

(1) सेवाकाल :— वह निम्नलिखित में से किसी एक या यथास्थिति, एक से अधिक पदों पर निरन्तर 5 वर्ष से अन्यून सेवा कर चुका हो अर्थात्:—

(i) सहायक (रेल बोर्ड सचिवालय सेवा)

(ii) आशुलिपिक (रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा) ग्रेड 2

(iii) आशुलिपिक (रेल बोर्ड सचिवालय आशुलिपिक सेवा) ग्रेड 3 (पुराना)

(4) केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार के अधीन कोई अन्य पद जिसके वेतन मान का न्यूनतम और अधिकतम प्रथम जुलाई, 1959 के पूर्वधारित पद की दशा में क्रमशः 160/-₹० और 450/-₹० से अन्यून और प्रथम जुलाई, 1969 या उसके पश्चात् धारित पद की दशा में क्रमशः 210/-₹० और 450/-₹० से अन्यून थे,

परन्तु सैनिक इयुटी पर उसकी अनुपस्थिति की कालावधि उपर्युक्त पदों में से किसी पर विहित सेवाकाल हेतु गणना के लिए अनुज्ञात की जा सकेगी।

(2) आयु:—उसकी आयु 40 वर्ष से अधिक नहीं होनी चाहिए। परन्तु उच्चतम आयु सीमा उन व्यक्तियों प्रवर्गों की बाबत जो केन्द्रीय सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा इस निमित्त समय-समय पर अधिसूचित किए जाएं, उस सीमा तक जो प्रत्येक प्रवर्ग की बाबत अधिसूचित की जाए, शिथिल की जा सकेगी।

(3) फीस :— उन अपवादों या रियासतों या दोनों के अध्यक्षीन जो केन्द्रीय सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा इस निमित्त समय-समय पर अधिसूचित की जाएं वह उसके द्वारा इस निमित्त विहित फीस सदात्त करेगा :

टिप्पण :—सहायक आशुलिपिक, जो सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से काडर, वाह्य पद पर प्रतिनियुक्त पर हों, यदि अन्यथा पात्र हों तो, परीक्षा में सम्मिलित किए जाने के पात्र होंगे।

किन्तु यह उस सहायक आशुलिपिक पर लागू नहीं होता जो "अन्तरण" पर किसी काडर, वाह्य पर या किसी अन्य सेवा पर नियुक्त कर दिया गया हो और जिसका सहायक आशुलिपिक ग्रेड, यथास्थिति, में धारणधिकार न हो।

5. अभ्यर्थना के लिए संघाचना :—अभ्यर्थी द्वारा अपनी सभ्यर्था के लिए किसी भी साधन से समर्थन प्राप्त करने का कोई भी प्रयास केन्द्रीय सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा परीक्षा में प्रवेश के लिए निरहित करने वाला माना जा सकेगा।

6. पात्रता के संबंध में विनिश्चय :— परीक्षा में प्रवेश के लिए अभ्यर्थी की पात्रता या अपात्रता की बाबत केन्द्रीय सरकार के रेल मंत्रालय का विनिश्चय अन्तिम होगा और किसी भी अभ्यर्थी को, जिसे केन्द्रीय सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा प्रवेश पत्र जारी नहीं किया गया हो, परीक्षा में सम्मिलित नहीं किया जाएगा ।

7. परिमाण और चयन :—(1) अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत रूप से परीक्षा के परिणामों की संसूचना देने का प्रारूप और रीति का निश्चय केन्द्रीय सरकार का रेल मंत्रालय स्वविवेकानुसार करेगा और वह परिणामों के सम्बन्ध में किसी अभ्यर्थी के साथ व्यक्तिगत रूप से किसी प्रकार का पत्रव्यवहार नहीं करेगा ।

(2) परीक्षा में सफलता से चयन का कोई अधिकार प्राप्त नहीं होगा जब तक कि भारत सरकार के रेल मंत्रालय का ऐसी जांच पड़ताल के पश्चात जैसी वह आवश्यक समझे वह समाधान न हो जाए कि अभ्यर्थी सब प्रकार से चयन के लिए पात्र और उपयुक्त है ।

(3) उन अभ्यर्थियों के नाम जो इन विनियमों के प्रारम्भ के पश्चात आयोजित परीक्षा के परिणामों के आधार पर केन्द्रीय सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा चयन के लिए उपयुक्त समझे जाएं, योग्यता के क्रम में रखे जाएंगे और उसी क्रम में अपेक्षित संख्या तक, चयन सूची में सम्मिलित किए जाएंगे ।

8. प्रतिस्पर्धन तथा अन्य अवधार के लिए शास्ति :—वह अभ्यर्थी जिसे केन्द्रीय सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा प्रतिस्पर्धन या गड़े गए दस्तावेजों या बिगाड़े गए दस्तावेजों के प्रस्तुतीकरण या ऐसे विवरण देने, जो अशुद्ध या मिथ्या हैं, या तात्विक जानकारी छिपाने या अन्यथा परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अनियमित या अनुचित साधन अपनाने या अपनाने का प्रयत्न करने या परीक्षा भवन में नावाजिब साधनों का प्रयोग करने या प्रयोग करने का प्रयत्न करने या परीक्षा भवन में दुर्व्यवहार करने का दोषी घोषित कर दिया जाए या कर दिया गया है तो अपराधिक अभियोजन के दायित्व के अधीन होने के साथ साथ ही —

(क) उसे स्थायी रूप से या किसी विनिर्दिष्ट कालावधि के लिए, भारत सरकार के रेल मंत्रालय द्वारा अभ्यर्थियों के चयन के लिए उसके द्वारा आयोजित किसी परीक्षा में प्रवेश से या साक्षात्कार के लिए आने से और केन्द्रीय सरकार के अधीन नियोजन से विवर्जित किया जा सकेगा,

(ख) वह समुचित नियमों के अधीन अनुशासनात्मक कार्यवाही के दायित्वाधीन भी होगा ।

[सं० एफ० ई० आर० बी० आई०/69/आर० आर० 1/3]

सी० एस० परमेश्वरन. सचिव ।

MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION

New Delhi, the 10th December 1970

G.S.R. 5.—In exercise of the powers conferred by the proviso of article 309 of the constitution, the president hereby makes the following rules to amend the Civil Aviation Department (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1969, namely :—

1. *Short Title and commencement.*—(1) These rules may be called the Civil Aviation Department (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Civil Aviation Department (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1969, against (i) serial No. 2 “Deputy Director General”, under column II, under the heading ‘Promotion’, for the entry “(2) Principal of Civil Aviation Training Centre or equivalent posts for example Chief Inspector of Flying (with 3 years’ service in the grade)”, the following entry shall be substituted, namely :—

“(2) Chief Inspector of Flying or equivalent posts (with 3 years’ service in the grade).”

(ii) for the entries against serial No. 4(a) the following entries shall be substituted, namely :—

1	2	3	4	5	6	7
4(a) Principal Civil Aviation Training Centre.	1	General Central Service Class I, Gazetted.	Rs. 1100—50 1400.	Not applicable	Not applicable	Not applicable

8	9	10	11	12	13
Not Applicable	Not Applicable	By transfer	<i>Transfer</i>	Not Applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulation, 1958.
			1. Controller (Aerodromes).		
			2. Deputy Director (Air Routes and Aerodromes) but excluding Deputy Director (Equipment).		
			3. Controller (Communication).		
			4. Controller (Central Radio Store Depot.)		
			5. Controller (Radio Construction and Development units).		
			6. Deputy Director (Communication).		
			7. Deputy Director (Air Transport).		
			8. Deputy Director Training and Licensing).		

[No. 12-VE(1)/67.]

S. KHURANA, Dy Secy.

पर्यटन तथा सिविल विमान मंत्रालय

नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 1970

जी० एस्० आर० 5:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा सिविल विमानन विभाग (वर्ग I और वर्ग II पद) भर्ती नियम, 1969 में संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं ; अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ:— (I) ये नियम सिविल विमान विभाग (वर्ग I और II पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1970, कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. सिविल विमान विभाग (वर्ग I और वर्ग II पद) भर्ती नियम, 1969 की अनुसूची में "प्रोन्नति" शीर्षक के अन्तर्गत कालम 11 के नीचे क्रम संख्या 2 "उप महानिदेशक" के सामने "(2) सिविल विमानन प्रशिक्षण केन्द्र का प्रधानाचार्य अथवा उसके समतुल्य पद, उदाहरणार्थ मुख्य उड़ान निरीक्षक (इस ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा वाले)" प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जाएगी, अर्थात् :—

"(2) मुख्य उड़ान निरीक्षक अथवा उसके समतुल्य पद (इस ग्रेड में 3 वर्ष की सेवा वाले)"।

(2) क्रम संख्या 4 (क) के सामने दी गई प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी ; अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6	7
4 (क) प्रधानाचार्य सिविल विमान प्रशिक्षण केन्द्र	1	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग I, राज पत्रित	1100-50-1400 रुपये	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	अन्तरण द्वारा	अन्तरण : 1. नियंत्रक (विमानक्षेत्र) 2. उप निदेशक (हवाई मार्ग तथा विमान क्षेत्र) ; परन्तु इसमें उप निदेशक (उपस्कर) सम्मिलित नहीं है । 3. नियंत्रक (संचार) 4. नियंत्रक (केन्द्रीय रेडियो स्टोर डिपो) 5. नियंत्रक (रेडियोस निर्माण तथा विकास यूनिटें) 6. उप निदेशक (संचार) 7. उप निदेशक (हवाई परिवहन) 8. उप निदेशक (प्रशिक्षण तथा अनुशासन)	लागू नहीं होता	जैसा संध लोक सेवा आयोग (परामर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन अपेक्षित हो।

औद्योगिक विकास, आंतरिक व्यापार और कच्ची कार्य मंत्रालय

(औद्योगिक विकास विभाग)।

नई दिल्ली, 13 मार्च, 1970

जी० एन० ए० 567.—केन्द्रीय बायलर्स बोर्ड (सदस्यों का नामनिर्देशन) नियम, 1967 के नियम 4 के साथ पठित भारतीय बायलर्स अधिनियम, 1923 (1923 का 5) की धारा 27-क की उपधारा (1) और उपधारा (2) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत के राजपत्र, तारीख 20 फरवरी, 1965 के भाग 2, खण्ड 3, उपखण्ड (1) में प्रकाशित भारत सरकार के भूतपूर्व निर्माण और आवास मंत्रालय की अधिसूचना सं० सा० का० नि० 287 तारीख 10 फरवरी, 1965 में और आगे निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में,

“1. धारा 27-क की उपधारा (2) के खण्ड (क) के अखीन केन्द्रीय सरकार द्वारा नाम-निर्दिष्ट सवस्य” शीर्षक के नीचे, प्रविष्टि (5) के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि प्रति-स्थापित की जायेगी, अर्थात् :—

2(5) श्री ए० के० श्रीवास्तव—रेलों का प्रतिनिधि।”

[सं० बी० एल० 1(2)/68 ई० ई० I.]

एम० सेठ, उप सचिव,।

MINISTRY OF SHIPPING AND TRANSPORT

(Transport Wing)

New Delhi, the 17th December 1970

G.S.R. 6.—In exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 8 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby removes Shri V. N. Kak, a Trustee from the Board of Trustees of the Port of Kandla.

[No. 2-PG(49)/70.]

K. L. GUPTA, Under Secy.

पोत और परिवहन मंत्रालय

(परिवहन पक्ष)

नई दिल्ली, 17 दिसम्बर, 1970

सा० का० नि० 6:—महापत्तनन न्यास अधिनियम 1963 (1963 का 38) की धारा 8 की उपधारा (1) के खंड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा श्री वी० एन० काक को जो एक न्यासी है, काण्डला पत्तन के न्यासी-बोर्ड से हटाती है।

[सं० 2-पी०जी० (49)/70.]

के० एल० गुप्त, अवर सचिव,

स्वास्थ्य, परिवार नियोजन, निर्माण, आवास एवं नगर विकास मन्त्रालय
(स्वास्थ्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 नवम्बर, 1970

जी० एस० आर० 2059.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा नियुक्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 1963 को और आगे संशोधित करने के लिये एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, नामतः:

1. (i) इन नियमों को केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा (संशोधन) नियमावली, 1970 कहा जा सकेगा।

(ii) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तिथि से लागू होंगे।

2. केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा नियमावली, 1963 में—

(i) नियम 8 के उपनियम (1) के पहले परन्तुक के बाद निम्नलिखित परन्तुक रख दिया जायेगा, नामतः:

“किन्तु इसके अलावा जहां जनरल ड्यूटी अफसर ग्रेड 2 के ग्रेड के किसी पद पर नियुक्त किसी अधिकारी के मामले पर, इस उपनियम के अधीन, जनरल ड्यूटी अफसर ग्रेड—I के ग्रेड के किसी पद पर पदोन्नति के प्रयोजनों के लिये विचार किया जाता है तो जनरल ड्यूटी अफसर ग्रेड 2 के ग्रेड में ऐसे अफसर से वरिष्ठ सभी व्यक्तियों के मामलों पर बावजूद इसके कि उन्होंने उस ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा पूरी न की हो, विचार किया जायेगा”।

(ii) नियम 8 के उपनियम (3) की धारा (क) के परन्तुक के बाद निम्नलिखित परन्तुक रख दिया जायेगा, नामतः:

“किन्तु जहां जनरल ड्यूटी अफसर ग्रेड—I के ग्रेड अथवा विशेषज्ञ ग्रेड के, जैसा भी मामला हो किसी पद पर नियुक्त किसी अधिकारी के मामले पर इस उपनियम के अधीन सुपर टाइम ग्रेड—II के किसी पद पर पदोन्नति के प्रयोजनों के लिये विचार किया जाता है। तो जनरल ड्यूटी अफसर ग्रेड—I के ग्रेड अथवा विशेषज्ञ ग्रेड में ऐसे अधिकारी से वरिष्ठ सभी व्यक्तियों के मामलों पर भले ही उन्होंने इन ग्रेडों में क्रमशः 10 वर्ष अथवा 8 वर्ष की सेवा पूरी न की हो, विचार किया जायेगा”।

(iii) नियम 8 के उपनियम (8) के बाद निम्नलिखित उपनियम रखा जायेगा, नामतः—

“(9) (क) नियम 7 के उपनियम (1) में उल्लिखित कोई विभागीय प्रत्याशी जो इस सेवा के किसी ग्रेड में नियुक्ति के लिये नहीं चुना जाता, नियंत्रक अधिकारी आयोग से परामर्श लेकर बाद में किसी समय अथवा समयों पर उस की इस सेवा में नियुक्ति के मामले पर विचार कर सकता है।

(ख) इस सेवा के विभिन्न ग्रेडों में नियुक्ति के लिये इन प्रत्याशियों की उपयुक्तता का निर्धारण एक प्रवर समिति द्वारा किया जायेगा जिसका गठन आयोग के परामर्श से नियंत्रक अधिकारी द्वारा किया जायेगा।

(ग) इस प्रकार नियुक्त विभागीय प्रत्याशियों की वरिष्ठता आयोग के परामर्श से नियंत्रक अधिकारी द्वारा निश्चित की जायेगी”।

[सं० 6-1/69-के०स्वा०से० III.]

बी० पी० पटेल सचिव,।

MINISTRY OF LAW

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 5th December 1970

G.S.R. 7.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Income-tax Appellate Tribunal (Class I and Class II Posts) Recruitment Rules, 1967, namely:—

1. (1) These rules may be called the Income-tax Appellate Tribunal (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Income-tax Appellate Tribunal (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1967 (hereinafter referred to as the said rules), for rule 5, the following rules shall be substituted, namely:—

"5. *Disqualification.*—No person,

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. *Power to relax.*—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or the post."

3. In the Schedule annexed to the said rules, in serial No. 2—

(a) in column 10, for the words "by transfer on deputation", the words "by direct recruitment" shall be substituted;—

(b) in column 11, the following entry shall be omitted, namely:

"*Transfer on deputation.*—Suitable officers of the Section Officers' Grade of the C.S.S. or any other Class II Officers of the Central Government (period of deputation ordinarily not exceeding 3 years)."

[No. F.3(25)/70-Admn. III(LA)].

G. C. SHARDA, Under Secy.

विधि मंत्रालय

(विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 दिसम्बर, 1970

सा० क्र० वि० 7.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, आयकर अपील अधिकरण (वर्ग-1 और वर्ग-2 पद) भर्ती नियम, 1967 में अतिरिक्त संशोधन करने के लिये एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) ये नियम आयकर अपील अधिकरण (वर्ग-1 और वर्ग-2 पद) भर्ती (संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त हो जाएंगे।

2. आयकर अपील अधिकरण (बग-1 और बग-2 पद) भर्ती नियम, 1967 (जिन्हें इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 5 के स्थान पर निम्नलिखित नियम प्रतिस्थापित किये जाएंगे, अर्थात्:-

“5 निरर्हताएं:— वह व्यक्ति

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने, अपने पति या पत्नी के जीवित होते हुए, किसी व्यक्ति से विवाह किया है

उक्त पदों में से किसी भी पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि उसका यह समाधान हो जाए कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के अन्य आधार मौजूद है तो, इस नियम के प्रवर्तन से उस व्यक्ति को छूट दे सकेगी।

6. शिथिल करने की शक्ति:— जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां वह, उसके लिये, जो कारण हैं उन्हें लिपिबद्ध करके तथा संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करके, इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की बाबत, आदेश द्वारा, शिथिल कर सकेगी।

3. उक्त नियमों से संलग्न अनुसूची में, क्रम सं० 2 में:—

(क) स्तम्भ 10 में “प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण द्वारा” शब्दों के स्थान पर “सीधी भर्ती द्वारा” शब्द प्रतिस्थापित किये जाएंगे ;

(ख) स्तम्भ 11 में, निम्नलिखित प्रविष्टि लप्त कर दी जाएगी, अर्थात्:—

“प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण

के० स० से० के अनुभाग आफिसर अथवा के यथोचित आफिसर या केन्द्रीय सरकार के कोई अन्य वर्ग-2 आफिसर (प्रतिनियुक्ति की कालावधि साधारणतया: 3 वर्ष से अधिक न होगी)।’

[सं० फा० 3 (25)/70-प्रशा.-3 (वि० का०.)]

1० सी० शारदा, अवर सचिव ।

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, C. D. & COOPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 4th December 1970

G.S.R. 8.--In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Food and Agriculture (Recruitment to Technical Non-gazetted Class II and III posts) Rules, 1959, namely:--

1. (1) These rules may be called the Ministry of Food and Agriculture (Recruitment to Technical Non-gazetted Class II and III posts) Third Amendment Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Ministry of Food and Agriculture (Recruitment to Technical Non-gazetted Class II and III posts) Rules, 1959, under the heading 'Class III Non-Gazetted Posts':—

(i) for item I, and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted, namely:--

1	2	3	4	5	6	7
"1. Accountant 12	General Rs. 270—15—	Selection	Not exceeding	Essential :		
Central Service	435—BB—20		Thirty			
Class III	Rs. 270—10—		years		(1) Degree in Commerce,	
Non-Gazetted	270—15—300				Arts or Science of a	
Non-Ministerial	BB—15—450				recognised University	
plus special	EB—20—530				or Associate Member-	
pay	Rs.				ship of the Institute of	
40/- p. m.					Chartered Account-	
(For Non-SSA)					ants or equivalent	
					(2) At least two years'	
					practical experience	
					in accounts and audit	
					work,	

8	9	10	11	12	13
No	Two years	50% by transfer on deputation failing which by direct recruitment. 50% by promotion.	By transfer on deputation 25% by deputation of SAS qualified Accountants/ Upper Division Clerk of Audit and Accounts Department. 25% by deputation of Assistants of the Central Secretariat Service, qualified in the Cash and Accounts Examination of the Secretariat Training School (Period of deputation Three years. By promotion : By promotion of Junior Accountants with 3 years' service in the grade (Deputationist Junior Accountants will not be eligible for promotion.)	DPC. Class III	Not applicable";

(ii) Items 2, 3 and 28 and the entries relating thereto shall be omitted:

(iii) for item 17 and the entry relating thereto, the following item and

1	2	3	4	5	6	7
"17 Junior Accountant	19	General Central Service Class III Non- gazetted Non- Ministerial	Rs. 180—10— 290—EB—15 380—EB—15 440.	Not applicable	22 to 27 years	(1) Degree of a recognised University in Commerce, Arts or Science. (2) At least 3 [years' experience in accounts work.

entries shall be substituted, namely:--

8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	By transfer/ Transfer on deputation, falling which by direct recruitment.	Transfer/Deputation Upper Division Clerk belonging to Central Secretariat Clerical Service with at least 3 years' experience in accounts work.	Not applicable	Not applicable."
			(Upper Division Clerk with Cash and Ac- counts Training at the Secretariat Train- ing School will be given preference).		

[No. 3-4/69 E. IV.]

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सुकारित मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर, 1970

जी० एस० आर० 8:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, खाद्य और कृषि मंत्रालय (तकनीकी, अराजपत्रित, वर्ग 2 और 3 पदों पर भर्ती) नियम, 1959 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम, एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) ये नियम खाद्य और कृषि मंत्रालय (तकनीकी, अराजपत्रित, वर्ग 2 और 3 पदों पर भर्ती), तृतीय संशोधन नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य और कृषि मंत्रालय (तकनीकी, अराजपत्रित, वर्ग 2 और 3 पदों पर भर्ती) नियम, 1959 की अनुसूची में, "वर्ग 3 अराजपत्रित पद" शीर्षक के नीचे —

(i) मद 1 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् —

1	2	3
"1. लेखापाल	बोरह	साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3 अराजपत्रित, अनुसूचीवीय

4	5	6	7
270-15-435-द० रो०-20- 575 रु० (एस० ए० एस० के लिए)	चयन तीस वर्ष से अनधिक	आवश्यक (1) किसी मान्यताप्राप्त विश्व- विद्यालय की वाणिज्य, कला या विज्ञान में उपाधि या चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स संस्थान की सह-सदस्यता या समतुल्य (2) लेखा और संपरोक्षा कार्य का न्यूनतम दो वर्ष का व्यावहारिक अनुभव ।	
210-10-270-15-300- द० रो० 15-450-द० रो०- 20-530-रु० तथा 40 रु० प्रति मास विशेष वेतन (एस० ए० एस० इतर के लिए)			

8	9	10	11
नहीं	दो वर्ष	50 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा 50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण द्वारा 25 प्रतिशत संपरीक्षा और लेखा विभाग के एस० ए० एस० अर्हित लेखापालों/ उच्च श्रेणी लिपिकों की प्रतिनियुक्ति द्वारा 25 प्रतिशत केन्द्रीय सचिवालय सेवा के उन सहायकों की प्रतिनियुक्ति द्वारा जो सचिवालय प्रशिक्षण विद्यालय से रोकड़ और लेखा परीक्षा में अर्हित हों (प्रतिनियुक्ति की कालावधि तीन वर्ष) प्रोन्नति द्वारा : उन कनिष्ठ लेखापालों की प्रोन्नति द्वारा जिनकी श्रेणी में तीन वर्ष की सेवा हो (प्रतिनियुक्ति वाले कनिष्ठ लेखापाल प्रोन्नति के पात्र नहीं होंगे)

12	13
वर्ग 3 विभागीय प्रोन्नति समिति	लागू नहीं होता' ;

- (ii) मद 2, 3 और 28 और उनसे सम्बन्धित प्रविष्टियों का लोप कर दिया जाएगा ;
 (iii) मद 17 और उससे सम्बन्धित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएंगी , अर्थात् :—

1	2	3	4	5	6
"17 कनिष्ठ लेखापाल	उपरीस	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 3 अराजपतित, अननुसचिवीय	180-10-290- द० रो० 15- 380-द० रो०-15 440 द०	लागू नहीं होता	22 से 27 वर्ष तक

7	8	9	10
(1) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय की वाणिज्य, कला या विज्ञान उपाधि	लागू नहीं होता	2 वर्ष	अन्तरण/प्रतिनियुक्ति पर अन्तरण द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।
(2) लेखा कार्य में न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव			

11	12	13
----	----	----

अन्तरण पर प्रतिनियुक्ति:

केन्द्रीय सचिवालय लिपिकीय सेवा के उच्च श्रेणी लिपिक जिनको लेखा कार्य में न्यूनतम 3 वर्ष का अनुभव हो। (उन उच्च श्रेणी लिपिकों को अधिमान्यता दी जाएगी जिन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण विद्यालय में रोकड़ और लेखा में प्रशिक्षण प्राप्त किया हो)

New Delhi, the 7th December 1970

G.S.R. 9.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Mechanic (Bench) in the Delhi Milk Scheme, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Delhi Milk Scheme, Mechanic (Bench) Recruitment Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply for recruitment to the post specified in column 2 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 3 to 5 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith, shall be as specified in columns 6 to 13 of the Schedule aforesaid:

Provided that the upper age limit prescribed in column 7 of the said Schedule may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes or other special categories of persons in accordance with the orders issued from time to time by the Central Government.

5. Disqualification.—(1) No person, who has more than one wife living or who, having a spouse living, marries in any case in which such marriage is void by reason of its taking place during the life-time of such spouse, shall be eligible for appointment to the said post.

(2) No woman, whose marriage is void by reason of the husband having a wife living at the time of such marriage or who has married a person who has a wife living at the time of such marriage, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that there are special grounds for so ordering, exempt any person from the operation of this rule.

6. **Power to relax.**—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons or posts.

THE SCHE-

Recruitment Rules for the post of Mechanic

Sl. No.	Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of pay	whether selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits.	Educational and other qualifications required for direct recruits.
---------	------------------	--------------	----------------	--------------	--	--------------------------------	--

1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Mechanic (Bench)	One	General Central Service, Class III, Non-gazetted Non-Ministerial	Rs. 150—5— 175—6—205— EB—7—240.	Selection	Not exceeding 35 years	<p><i>Essential :</i></p> <p>1. Middle School Standard Pass.</p> <p>2. Three years' experience as Fitter (Mechanical).</p> <p><i>Desirable :</i></p> <p>I.T.I. certificate as Bench Fitter.</p>

DULE

Bench in the Delhi Milk Scheme

whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any,	Method of recruitment, whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer, and percentage of vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/ deputation/transfer, grades from which promotion/ deputation/transfer to be made	If a D/P.C. exists, what is its position
---	-----------------------------	---	---	--

9	10	11	12	13
No.	Two years	100% by promotion, failing which by direct recruitment.	Promotion : Fitter (Bench) and Fitter (Mechanical) with three years' service in the grade, and also subject to passing a trade test.	D.P.C. (Class III)

[No. A-11020/7/70-EE.III.]

P. K. MUKHERJI, Under Secy.

नई दिल्ली, 7 दिसम्बर, 1970

सू. जी० एस० आर० 9 :—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा दिल्ली दुग्ध योजना में यांत्रिक (बेंच) के पद पर भर्ती की पद्धति को विनियमित करने वाले निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. **संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ** :—(1) ये नियम दिल्ली दुग्ध योजना, यांत्रिक (बेंच) भर्ती नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. **लागू होना** :—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट पद पर भर्ती के लिए लागू होंगे।

3. **पदों की संख्या, वर्गीकरण और वेतन-राम** :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 3 से लेकर 5 तक में विनिर्दिष्ट हैं।

4. **भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं, आदि** :— उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु सीमा, अर्हताएं और उनसे सम्बद्ध अन्य बातें वे होंगी जो उपरोक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 से 13 तक में विनिर्दिष्ट हैं :

परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों या अन्य विशेष व्यक्ति प्रवर्गों के अभ्यासियों की दशा में उक्त अनुसूची के स्तम्भ 7 में विनिर्दिष्ट उच्चतम आयु सीमा समय-समय पर निकाले गए केन्द्रीय सरकार के आदेशों के अनुसार शिथिल की जा सकेंगी।

5. **निरहर्ता** :—(1) वह व्यक्ति उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा जिसकी एक से अधिक पत्नियां जीवित हैं या जो एक पत्नी के जीवित रहते हुए किसी ऐसी दशा में विवाह करता है जिसमें ऐसा विवाह इस कारण शून्य है कि वह ऐसी पत्नी के जीवनकाल में होता है।

(2) वह स्त्री उक्त पद पर नियुक्ति की पात्र नहीं होगी जिसका विवाह इस कारण शून्य है कि उस विवाह के समय उसके पति की पत्नी जीवित थी या जिसने ऐसे व्यक्ति से विवाह किया है जिसकी पत्नी उस विवाह के समय जीवित थी :

परन्तु केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाने पर किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट देने के विशेष आधार हैं, यह आदेश दे सकेगी कि उसे ऐसी छूट दी जाय।

6. **शिथिल करने की शक्ति** :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जायेंगे, आदेश द्वारा व्यक्तियों या पदों के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी शिथिल कर सकेगी।

अनुसूची

क्रम सं०	पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	एक पद अथवा अप्रवरण पद
1	2	3	4	5	6
1.	यांत्रिक (बेंच)	1	साधारण केन्द्रीय सेवा, वर्ग 3 अराजपत्रित, अननुसूचित।	150-5-175- 6-205 रु० रो०- 7-240	अप्रवरण
सीधी भर्ती वालों के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती वालों के लिए अपेक्षित शैक्षणिक और अन्य अर्हताएं	क्या सीधी भर्ती वालों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होगी	परिवीक्षा की कोलावधि, यदि कोई हो		
7	8	9	10		
35 वर्ष से अधिक	आवश्यक :— 1. मिडिल स्कूल स्टेण्डर्ड पास । 2. फिटर (यांत्रिक) के रूप में तीन वर्ष का अनुभव । वांछनीय :— बेंच फिटर के रूप में आई० टी० आई० प्रमाणपत्र ।	नहीं ।	दो वर्ष		

भर्ती की पद्धति, क्या भर्ती सीधी होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/अन्तरण द्वारा, तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता ।	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/अन्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रणियाँ जिनसे प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/अन्तरण किया जाना है	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति विद्यमान है तो उसकी संरचना क्या है	वे परिस्थितियाँ जिन में भर्ती करने में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है
---	--	--	--

11

12

13

14

100 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके न हों सकने पर सीधी भर्ती द्वारा ।

प्रोन्नति :

फिटर (बैच) और फिटर (यांत्रिक) उस श्रेणी में तीन वर्ष की सेवा सहित, और कोई ट्रेड परीक्षा पास करने के भी प्रष्य-धीन ।

विभागीय प्रोन्नति समिति, (वर्ग III)

—

[सं. ए०-11020/7/70-ई० ई० 3]

प्र० कु० मन्जरी, अवर सचिव ।

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, ALLAHABAD

NOTICE TO SHOW CAUSE

Allahabad, the 5th September 1970

G.S.R. 10.—Whereas the goods referred to in the allegations enumerated in the enclosed annexure appear to be liable to confiscation under section 111 of the Customs Act, 1962.

And whereas the owner concerned in view of the allegations contained in the said annexure appears to be liable to penalty under section 112 of the Customs Act, 1962.

Now therefore the owner concerned is hereby required to explain the matter and to show cause to the Dy. Collector of Customs and Central Excise 38-M.G. Marg, Allahabad within one month of the date of the issue of this notice why the goods mentioned in annexure should not be confiscated under section 111 of the Customs Act 1962 and why he should not be penalised under section 112 of the Customs Act, 1962.

The owner concerned should also produce at the time of showing cause all the evidence upon which he intends to rely in support of his defence. He should also intimate in the written explanation whether he would like to avail of the opportunity to be heard in person before the case is adjudicated. If no mention is made about this in his written explanation it would be presumed that he does not desire a personal hearing.

If no cause is shown against the action proposed to be taken within one month of the issue of this notice, or the owner concerned does not appear before the adjudicating officer when the case is posted for hearing, the case will be decided, *ex parte* on its own merits.

ANNEXURE

In pursuance of secret information Customs and Central Excise officers searched two packages of parcels on 17th March 1970 on Railway station Barabanki booked from Barhni. The goods were shifted to the Station Master room for interception in the presence of the owner who may come forward to take its delivery, but nobody came forward for its delivery. The packages were opened and found to contain 419 Bobbins made in Japan valued Rs. 10,475.00. These goods were not claimed by anybody.

The above goods were seized under section 111(d), 112(b) and 123(2) of the Customs Act, 1962 in reasonable belief that these have been smuggled from Nepal in contravention of the provisions of Notification No. 78/F. No. 80/83/65-L.C.I., dated 19th June, 1965 issued under section 11 of the Customs Act, 1962.

The owner is also informed that the aforesaid goods have been seized in the reasonable belief that they are smuggled one and burden of proving otherwise lies on him as contemplated under section 123 of the Customs Act, 1962.

[C. No. VIII(10)56/70.]

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, इलाहाबाद

कारण निदर्शन सूचना

इलाहाबाद 29 अगस्त 1970

जी०एस०आर० 10:—जैसा कि विवित होता है वह वस्तुएं जो आरोप पत्र में निविष्ट तथा संलग्न अनुबंध में वर्णित हैं सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 111 के अन्तर्गत जन्त करने योग्य प्रतीत होती है।

तथा सम्बन्धित मालिक तथा कथित अनुबंध में निर्दिष्ट आरोपों के अनुसार सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 112 के अन्तर्गत दण्डनीय प्रतीत होता है।

अतएव सम्बन्धित मालिक को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि वह मामले का स्पष्टीकरण करें तथा उप-समाहर्ता सीमा एवं उत्पाद शुल्क 38 महात्मा गांधी मार्ग इलाहाबाद को इस सूचना के जारी होने के दिनांक से एक माह के अन्तर्गत कारण बताएं कि अनुबन्ध में निर्दिष्ट वस्तुओं को सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 111 के अन्तर्गत क्यों न जन्त कर लिया जाए तथा सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 112 के अन्तर्गत क्यों न दण्डित किया जाय।

सम्बन्धित मालिक को कारण बताते समय उन सभी साक्ष्यों को भी प्रस्तुत करना चाहिये जिनपर वह अपने प्रतिवाद आधारित करने का इच्छुक है। वह अपने लिखित स्पष्टीकरण में यह भी बताए कि क्या वह अधिनियम से पूर्व व्यक्तिगत सा साक्षात्कार के अवसर का उपयोग करेगा। यदि इस बात का लिखित स्पष्टीकरण में कोई उल्लेख न होगा तो यह समझा जायगा कि वह व्यक्तिगत साक्षात्कार का इच्छुक नहीं है।

यदि इस सूचना के जारी होने के एक माह के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यवाही के विरुद्ध कोई कारण न बताया गया अथवा सम्बन्धित मालिक सुनवाई की तिथि पर अधिनियमिक अधिकारी के सम्मुख उपस्थित न हुआ तो उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार मामले के गुणवत्तु के आधार पर एक पक्षीय निर्णय किया जायगा।

अनुबंध

गुप्त सूचना के आधार पर सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारियों ने 17-3-70 को बरौती से भजे हुए दो पारसल के बंडलों की बाराबंकी स्टेशन पर तलाशी लिया। माल स्टेशन मास्टर के कमरे में पहुँचा दिया गया था जिससे कि उसका मालिक जब माल को छुड़ाने के लिये आये तो उसे पकड़ लिया जाय। लेकिन माल छुड़ाने के लिए कोई नहीं आया। बंडल खोले गये और उनमें 419 जापानी बाबिन जिनका मूल्य रु० 10475.00 था पाए गये। इस माल को लेने वाला कोई नहीं आया।

उपर्युक्त माल यथोचित विश्वास के कि यह माल नेपाल से अवैध रूप से सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 111 के अन्तर्गत जारी की गई अधिसूचना संख्या 76/एफ० नं० 80/83/65-आई०सी०आई० दिनांक 19-6-65 के उपबन्धों के उल्लंघन में लाया गया है, सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धाराओं 111(d) 112 (g) और 123(2) के अन्तर्गत पकड़ लिया गया।

मालिक को यह भी सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त माल यथोचित विश्वास के कारण कि वह अवैध माल है पकड़ लिया गया है और यदि ऐसा नहीं है तो इस बात का सबूत सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 123 को ध्यान में रखते हुए उसी को देना है।

[पत्र संख्या—(10) VIII56/70]

Allahabad, the 22nd October 1970

G.S.R. 11.—Whereas the goods referred to in the allegations enumerated in the enclosed annexure appear to be liable to confiscation under section 111 of the Customs Act, 1962.

And whereas the owner concerned in view of the allegations contained in the said annexure appears to be liable to penalty under section 112 of the Customs Act, 1962.

Now therefore the owner concerned is hereby required to explain the matter and to show cause to the Dy. Collector of Customs and Central Excise 38, M. G. Marg, Allahabad within one month of the date of the issue of this notice why the goods mentioned in the annexure should not be confiscated under section 111 of the Customs Act 1962 and why he should not be penalised under section 112 of the Customs Act, 1962.

The owner concerned should also produce at the time of showing cause all the evidence upon which he intends to rely in support of his defence. He should also indicate in the written explanation whether he would like to avail of the opportunity to be heard in person before the case is adjudicated. If no mention is made about this in his written explanation, it would be presumed that he does not desire a personal hearing.

If no cause is shown against the action proposed to be taken within one month of the issue of this notice, or the owner concerned does not appear before the adjudicating officer when the case is posted for hearing, the case will be decided *ex parte* on its own merits.

ANNEXURE

On secret information S.O. of Police station Taraya Sujana in Deoria District alongwith his staff challenged a gang of smugglers who were reported to have been carrying smuggled goods with them and ultimately the smugglers ran away throwing the smuggled goods which were in 12 packages covered with gunny bags. Subsequently on 22nd April 1970, the Customs and Central Excise Officers seized 12 packages containing 1,440 bobbins of radiant yarn (720 golden colour and 720 of silver colour) made in Japan approximately valued to Rs. 14,400. Thus the goods were declared as unclaimed.

The above goods were seized under section 110 of the Customs Act, 1962 in the reasonable belief that these have been smuggled from Nepal in contravention of the provisions of Notification No. 76/F. No. 80/85/65-ICI, dated 19th June 1965 issued under section 11 of the Customs Act.

The owners are also informed that the aforesaid goods have been seized in the reasonable belief that they are smuggled one and burden of proving otherwise lies on them as contemplated under section 123 of the Customs Act.

[C. No. VIII(10)65/70.]

इलाहाबाद, 22 अक्तूबर 1970

जी० ए० आर० 11:—जैसा कि विदित होता है वह वस्तुएं जो आरोप पत्र में निर्दिष्ट तथा संलग्न अनुबन्ध में वर्णित हैं, सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 111 के अन्तर्गत जब्त करने योग्य प्रतीत होती हैं ।

तथा सम्बन्धित मालिक तथा कथित अनुबन्ध में निर्दिष्ट आरोपों के अनुसार सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 112 के अन्तर्गत दण्डनीय प्रतीत होता है ।

अतएव सम्बन्धित मालिकों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि वह मामलों का स्पष्टीकरण करें तथा उप-समाहर्ता सीमा एवं उत्पाद शुल्क, 38 महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद को इस सूचना के जारी होने के दिनांक से एक माह के अन्तर्गत कारण बताएँ कि अनुबन्ध में निर्दिष्ट वस्तुओं को सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 111 के अन्तर्गत क्यों न जब्त कर लिया जाय तथा सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 112 के अन्तर्गत क्यों न दण्डित किया जाय ।

सम्बन्धित मालिक को कारण बताते समय उन सभी सब्स्यों को भी प्रस्तुत करना चाहिये । जिनपर वह अपने प्रतिवाद आधारित करने का इच्छुक है । वह अपने लिखित स्पष्टीकरण में यह भी बताएँ कि क्या अधिनियम से पूर्व व्यक्तिगत साक्षात्कार के अवसर का उपयोग करेगा । यदि इस बात का लिखित स्पष्टीकरण में कोई उल्लेख न होगा तो यह समझा जायगा कि वह व्यक्तिगत साक्षात्कार का इच्छुक नहीं है ।

यदि इस सूचना के जारी होने के एक माह के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यवाही के विरुद्ध कोई कारण न बताया गया अथवा सम्बन्धित मालिक सुनवाई की तिथि पर अधिनियमक अधिकारी के सम्मुख उपस्थित न हुआ तो उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार मामले के गुणाव गुण के आधार पर एक पक्षीय निर्णय किया जायगा ।

अनुबन्ध

गुप्त सूचना के आधार पर स्टेशन आफिसर, तरैया सुजान पुलिस स्टेशन, जिला देवरिया ने अपने स्टाफ के साथ श्रवैध माल लाने वालों के एक झुंड को लसकारा । अन्त में वे अपना श्रवैध माल छोड़ कर भाग गये जो कि 12 बंडल बोरो में लिपटे हुए थे । दिनांक 22-4-70 को सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारियों ने 12 बंडल जिसमें 1440 बाबिन जरी (720 सुनहरी तथा 720 रुपहली) जापान की बनी हुई जिनका मूल्य रु० 14400.00 पाया गया, पकड़ लिया । इस प्रकार यह माल बिना दायेदार के घोषित किया गया ।

उपर्युक्त माल यथोचित विश्वास के कि यह माल नेपाल से श्रवैध रूप से सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 11 के अन्तर्गत जारी की गई अधिसूचना संख्या 76/एफ.नं० 80/83/65-आई०सी०आई० दिनांक 19-6-65 के उपबन्धों के उल्लंघन में लाया गया है सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 110 के अन्तर्गत पकड़ लिया गया ।

मालिक को यह भी सूचित किया जाता है कि उपर्युक्त माल यथोचित विश्वास के कारण कि वह अवैध माल है पकड़ लिया गया है और यदि ऐसा नहीं है तो इस बात का सबूत सीमा शलक अधिनियम 1962 की धारा 123 को ध्यान में रखते हुए उसी को देना है।

[पत्र संख्या Viii(10) 65/70]

Allahabad, the 4th November 1970

G.S.R. 12.—Whereas the goods referred to in the allegations enumerated in the enclosed annexure appear to be liable to confiscations under section III of the Customs Act, 1962.

And whereas the owner concerned in view of the allegations contained in the said annexure appears to be liable to penalty under section 112 of the Customs Act, 1962.

Now therefore the owner concerned is hereby required to explain the matter and to show cause to the Deputy Collector of Customs and Central Excise, 38, Mahatma Gandhi Marg, Allahabad within one month of the date of the issue of this notice why the goods mentioned in annexure should not be confiscated under section 111 of the Customs Act, 1962 and why he should not be penalised under section 112 of the Customs Act, 1962.

The owner concerned should also produce at the time of showing cause all the evidence upon which he intends to rely in support of his defence. He should also indicate in the written explanation whether he would like to avail of the opportunity to be heard in person before the case is adjudicated. If no mention is made about this in his written explanation, it would be presumed that he does not desire a personal hearing.

If no cause is shown against the action proposed to be taken within one month of the issue of this notice, or the owner concerned does not appear before the adjudicating officer when the case is posted for hearing, the case will be decided *ex-parte* on its own merits.

ANNEXURE

On 8th May, 1970 Inspector Customs, M. P. P. Gonda, while checking the booked parcels of 9 Up train at Railway Station Gonda noticed two Gunney bags in the breakvan. These bags were kept under the packages of Lichi bundles. This consignment was booked from Railway Station Bettiah to Kanpur Central and the name of the consigner and consignee was Shri Durga Prasad, Ali Nagar, Gorakhpur. The consignment was booked as a consignment of Taj (country medicine) as per Railway invoice.

The consignment was unloaded and examined in the presence of G.R.P. and found to contain the following things:—

1. Menthol-Peppermint Crystel form	10,500 kgs.	4200.00	} Made in China
	15,500 kgs.	5400.00	
2. Dalchini	28,000 kgs.	1120.00	} " " Jawa
	28,300 kgs.	1040.00	

Rs. 11,760/-

Shri Durga Prasad the consigner and consignee of the above consignment could not be traced out either at Gorakhpur or at Kanpur.

The above goods were seized under section 110 of the Customs Act, 1962 in the reasonable belief that these have been smuggled from Nepal into India in contravention of the provisions of notification No. 76/F-No. 80/83/65-L.C.I. dated 19th June, 1965 and under section 11 of the Customs Act, 1962.

The owner of the goods has also contraband the provision of section 11C, 11 D and 11 E of the Customs Act, 1962.

[C. No. VIII(10)122/70.]

इलाहाबाद, 4 नवम्बर, 1970

जी० ए० आर० 12.—जैसा कि विदित होता है वह वस्तुएं जो आरोप पत्र में निर्दिष्ट तथा संज्ञान अनुबंध में वर्णित हैं, सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 111 के अन्तर्गत जब्त करने योग्य प्रतीत होती हैं।

तथा सम्बन्धित मालिक तथा कथित अनुबंध में निर्दिष्ट आरोपों के अनुसार सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 112 के अन्तर्गत दण्डनीय प्रतीत होता है।

आएव सम्बन्धित मालिक को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि वह मामले का निपटारा करे तथा उपसमाहर्ता सीमा एवं उत्पाद शुल्क, 38 महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद को इस सूचना के जारी होने के दिनांक से 1 माह के अन्तर्गत कारण बताएं कि अनुबंध में निर्दिष्ट वस्तुओं का सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 111 के अन्तर्गत क्यों न जब्त कर लिया जाए तथा सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 112 के अन्तर्गत उसे क्यों न दण्डित किया जाय।

सम्बन्धित मालिक को कारण बताते समय उन सभी साक्ष्यों को भी प्रस्तुत करना चाहिए, जिन पर वह अपने प्रतिवाद आधारित करने का इच्छुक है। वह अपने लिखित स्पष्टीकरण में यह भी बताएं कि क्या वह अधिनियम से पूर्व व्यक्तिगत साक्षात्कार के अवसर का उपयोग करेगा। यदि इस बात का लिखित स्पष्टीकरण में कोई उल्लेख न होगा तो यह समझा जायगा कि वह व्यक्तिगत साक्षात्कार का इच्छुक नहीं है।

यदि इस सूचना के जारी होने के एक माह के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यवाही के विरुद्ध कोई कारण न बताया गया अथवा सम्बन्धित मालिक सुनवाई की तिथि पर अधिनियम का अधिकारी के सम्मुख उपस्थित न हुआ तो उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार मामले के गुणावगुण के आधार पर एक पक्षीय निर्णय किया जायगा।

अनुबंध

दिनांक 8-5-70 को इन्स्पेक्टर, कस्टमस, गोंडा ने 9 अप ट्रेन से बुक किये गये पारसलों का, बोंडा रेलवे स्टेशन पर निरीक्षण करते समय दो बोरों को निरीक्षण किया जोकि ब्रकबैन में लीची के बंडल के नीचे दब हुए थे। यह माल बितिया रेलवे स्टेशन से कानपुर के लिए बुक किया गया था। इस माल को भजने वाले व पाने वाले का नाम श्री दुर्गा प्रसाद, अलीनगर गोरखपुर था। रेलवे इनवायस के अनुसार इसमें ताज (देशी श्रोवधि) वर्णित थी।

इस माल को उतारा गया और इसकी जांच रेलवे पुलिस के सामने की गई तथा इसमें निम्नलिखित वस्तुएं पायी गईं:—

	किलोग्राम	मूल्य र०	
(1) मेन्थोलन्पीपरमेन्ट व	10.500	4200.00	चीन का बत्ता हुआ।
	13.500	5400.00	
(2) दालचीनी	28.000	1120.00	जावा का बत्ता आ।
	26.000	1040.00	
	र०	11760.00	

श्री दुर्गा प्रसाद, जो कि उक्त माल भेजने वाले तथा पाने वाले हैं; का पता गोरखपुर अथवा कानपुर में नहीं लगा।

उपर्युक्त माल यथोचित विश्वास के कि यह माल नेपाल से अवैध रूप से सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 11 के अन्तर्गत जारी की गई अधिसूचना संख्या 96/एफ० नं० 80/83/65—आई०सी० आई० दिनांक 19-6-65 के उपबन्धों के उल्लंघन में लाया गया है, सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 110 के अन्तर्गत पकड़ लिया गया है।

उपर्युक्त माल के मालिक ने सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 11 सी, 11 डी और 11 ई के उपबन्धों का भी उल्लंघन किया है।

[पत्र संख्या—viii(10) 122/70]

Allahabad, the 7th November 1970

G.S.R. 13.—Whereas the goods referred to in the allegations enumerated in the enclosed annexure appears to be liable to confiscations under section 111 of the Customs Act, 1962,

And whereas the owner concerned in view of the allegations contained in the said annexure appears to be liable to penalty under section 11C, 11D, and 11E and 112 of the Customs Act, 1962.

Now therefore the owner concerned is hereby required to explain the matter and to show cause to the Deputy Collector of Customs and Central Excise, 58, Mahatma Gandhi Marg, Allahabad within one month of the date of the issue of this notice why the goods mentioned in annexure should not be confiscated under section 111 of the Customs Act, 1962 and why he should not be penalised under section 112 of the Customs Act, 1962.

The owner concerned should also produce at the time of showing cause all the evidence upon which he intends to rely in support of his defence. He should also indicate in the written explanation whether he would like to avail of the opportunity to be heard in person before the case is adjudicated. If no mention is made about this in his written explanation, it would be presumed that he does not desire a personal hearing.

If no cause is shown against the action proposed to be taken within one month of the issue of this notice, or the owner concerned does not appear before the adjudicating officer when the case is posted for hearing, the case will be decided *ex parte* on its own merits.

ANNEXURE

On 14th May, 1970, while checking the booked parcels in 211 UP train at Gonda Railway Station, Customs and Central Excise Officers came across two packages which neither bore the name of the consignee or the consignor nor the name of the Station from which or to which the packages are booked. The packages only bore Railway marketings POU 6794/P2.

The P.W. Bill of the said consignments was booked by Shri Hari Shankar from Padrawna to Shri Om Prakash of Kanpur Central, and contraband Peperment (Menthol).

Both the packages were therefore unloaded from the train and examined in the presence of independent witnesses. The following goods were found in the packages:—

1. Menthol Crystal B.P. or UPP Ying Keng Industries Co. (H.K.) Ltd. Hong Kong Nett wt. 51 lbs. (2268 Grms.)	Budha Brand	7 tins of 5 lbs. 35 lbs. or 15.876 kgs.	Value 9072/-
2. Menthol Crystal Highest purity Finest Brand quality-Melting point 4244 Net wt. 5 lbs. Chinese characters on two sides of the tin	Snow Brand	3 tins of 5 lbs. 15 lbs. or 6.804 kgs.	
3. do.	„	2 tins of 5 lbs. 10 lbs. or 4.536 kgs.	10,886/-
4. Des. as in sl. No.1	Budha Brand	10 tins of 5 lbs. 50 lbs. or 22.680 kgs.	
22 Tins 110 lbs. or 49.896 kgs.			19,958/-

The country of origin of the above method is HONG, KONG, No body turned up to claim the goods.

The above goods were, therefore, seized under Section 110 of the Customs Act, 1962, in the reasonable belief that these have been smuggled from Nepal into India in contravention of the provisions of Notification No. 76-F, No. 80-83 65-L.C.I., dated 19th June, 1965, issued under section 11 of the Customs Act, 1962.

The owner of the goods has also contravened the provisions of Section 11C, 11D, and 11E of the Customs Act, 1962.

[C. No. VIII(10)124/70.]
S. N. MATHUR, Dy. Collector.

इलाहाबाद, 7 नवम्बर, 1970

जो० ए० प्रार० 13.—जैसा कि विदित होता है वह वस्तुएं जो आरोप पत्र में निर्दिष्ट तथा प्रत्यक्ष अनुबन्ध में वर्णित हैं, सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 111 के अन्तर्गत जप्त करने योग्य प्रतीत होती हैं।

तथा सम्बन्धित मालिक तथा कथित अनुबन्ध में वर्णित आरोपों के अनुसार सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धाराओं 111सी, 111डी, 111ई, तथा 112 के अन्तर्गत दण्डनीय प्रतीत होता है।

अतएव सम्बन्धित मालिकों को एतद्वारा सूचित किया जाता है कि वह मामले का स्पष्टीकरण करें तथा उपायगृहीत, सीमा एवं उत्पाद शुल्क, 38 महात्मा गांधी मार्ग, इलाहाबाद को इस सूचना के जारी होने के दिनांक से एक माह के अन्तर्गत कारण बताएं कि अनुबन्ध में निर्दिष्ट वस्तुओं को सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 111 के अन्तर्गत क्यों न जप्त कर लिया जाय तथा सीमा-शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 112 के अन्तर्गत उसको क्यों न दण्डित किया जाये।

सम्बन्धित मालिक को कारण बताते समय उन सभी साक्ष्यों को भी प्रस्तुत करना चाहिये जिस पर वह अपने प्रतिवाद आधारित करने का इच्छुक है। वह अपने लिखित स्पष्टीकरण में यह भी बताए कि क्या वह अधिनियम से पूर्व व्यक्तिगत साक्षात्कार के अवसर का उपयोग करेगा। यदि इस बात का लिखित स्पष्टीकरण में कोई उल्लेख न होगा तो यह समझा जायेगा कि वह व्यक्तिगत साक्षात्कार का इच्छुक नहीं है।

यदि इस सूचना के जारी होने के एक माह के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यवाही के विरुद्ध कोई कारण न बताया गया अथवा सम्बन्धित मालिक सुनवाई की तिथि पर अधिनियमिक अधिकारी के सम्मुख उपस्थित न हुआ तो उपलब्ध साक्ष्य के अनुसार मामले के गुणावगुण के आधार पर एक पक्षीय निर्णय किया जायेगा।

अनुबन्ध

सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधिकारियों ने दिनांक 14-5-70 को गोंडा रेलवे स्टेशन पर 211 अप से बूक किए हुए पाररलों का निरीक्षण किया और दो ऐसे बरल को पाया जिन पर भजने वाले तथा पाने वाले का नाम तथा स्टेशन अंकित नहीं था। इन बंडलों पर बैटल रेलवे का निशान POU 6794/P 2 अंकित था। इन बंडलों का पाररलों कदिल CNB का निरीक्षण करने पर ज्ञात हुआ कि यह पडरौना से श्री हरीशंकर के द्वारा कानपुर सेंट्रल के श्री श्रीम प्रकाश को भेजा गया था और इनमें पीपरमेट था।

इन दोनों बंडलों को ट्रेन पर से उतरवा लिया गया और इनका निरीक्षण खसस गवाही के सामने किया गया। इन बंडलों से निम्नलिखित वस्तुएं पाई गईं:—

(1) मेन्थोल क्रिस्टल बी०पी० या यू एस पी यंग जेग इन्डस्ट्रीज क० (एच०के०) लिमिटेड हांगकांग असली भार 51 पाउण्ड (2268 ग्राम)	बुद्धा बांड	5 पाउण्ड के 7 टीन या 35 पाँड 15'876 कि०	} 9072 रु०
(2) मेन्थोल क्रिस्टल अधिकतम शुद्धता सर्वश्रेष्ठ किस्म गलनांक 42-44 असली भार 5 पाँड आइनीज (टीन पर दोनों तरफ अंकित)	रनी बांड	5 पाउंड के 3 टीन 15 पाउंड अथवा 6'804 कि०	
(3) " "	"	5 पाउंड के 2 टीन 10 पाउंड अथवा 4'536 कि०	
(4) क्रमांक (1) के अनुसार	बुद्धा बांड	5 पाउंड के 10 टीन 10886 रु० 50 पाउंड अथवा 22'680 कि०	
<hr/>			
		22 टीन 110	19958.00 रु०
		पाउंड अथवा	
		49.896 कि० ग्राम	

उपर्युक्त मेन्थोल हांगकांग का बना हुआ है। इस माल को लेने वाला कोई नहीं आया।

उपर्युक्त माल यथोचित विश्वास के कि यह माल नेपाल से अवैध रूप से सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 11 के अन्तर्गत जारी की गई अधिसूचना संख्या 76/एफ० नं० 80/83/65-आई० सी० आई० दिनांक 19-6-65 के उपबन्धों के उल्लंघन में लाया गया है, सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धारा 110 के अन्तर्गत पकड़ लिया गया है।

माल के मालिकों ने सीमा शुल्क अधिनियम 1962 की धाराओं 11सी, 11डी, तथा 11ई का भी उल्लंघन किया है।

[पत्र सं० VIII (10)/124/70]

एस० एन० माथुर,
जयसमाहर्ता।

MINISTRY OF LABOUR, EMPLOYMENT AND REHABILITATION

(Department of Labour and Employment)

New Delhi, the 22nd December 1970

G.S.R. 14.—In exercise of the powers conferred by section 3 read with section 7 of the Coal Mines Provident Fund and Bonus Schemes Act, 1948 (46 of 1948), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Coal Mines Provident Fund Scheme, published with the notification of the Government of India, in the late Ministry of Labour No. PF.15(5)/48 dated the 11th December, 1948, namely:—

1. This Scheme may be called the Coal Mines Provident Fund (Second Amendment) Scheme, 1970.

2. In Coal Mines Provident Fund Scheme (hereinafter referred to as the Scheme) for paragraph 66, the following paragraph shall be substituted and be deemed always to have been substituted, namely:—

“55. Disposal of the Coal Mines Provident Fund.—(1) The Coal Mines Provident Fund not including therein the Reserve Account and the Administration Account thereof shall not, except with the previous sanction of the Central Government, be expended for any purpose other than the payment of the sums standing to the credit of individual members of the Fund or to their nominees or heirs or legal representatives in accordance with the provisions of this Scheme.

(2) Amount credited to the Reserve Account under sub-paragraph (4) of paragraph 63, may in accordance with such instructions as the Central Government may issue from time to time, be expended for any or all of the following purposes:—

- (i) for providing financial assistance to the nominees or heirs or legal representatives of deceased members;
- (ii) for financing any Scheme for the benefit of the dependants of employees killed or disabled in accidents in coal Mines;
- (iii) for making payments to outgoing members and to the nominees or heirs or legal representatives of deceased members, where Provident Fund contributions in respect of such members have, either in whole or in part, not been deposited into the Fund by their employers;
- (iv) for stabilising the rate of interest allowed to the members under paragraph 61 of this Scheme.

3. Amount credited to Reserve Account under paragraph 32 and any interest earned by investing the amounts in the Reserve Account may in accordance with such instructions as the Central Government may issue from time to time, be expended for the following purposes:—

- (i) for meeting capital expenditure on land, building, machines and such other tangible assets as are used over a period exceeding 5 years.
- (ii) for meeting any deficit in the Administration Account of the Fund.”

3. In the Scheme after paragraph 65D, the following paragraph shall be inserted and shall be deemed always to have been inserted, namely:—

“65E. Grant of advances in special cases.—Where a coal mine has been locked up or closed down for more than fifteen days and its employees

are rendered unemployed without any compensation the Central Government on being satisfied that no compensation to the employees is likely to be paid by the employer within a reasonable time may authorise payment to a member who was employed in such coal mine one or more non-recoverable advances from his Provident Fund account not exceeding his own total contributions including interest thereon upto the end of the completed period of currency preceding the date of authorisation of such payment."

[No. 12(6)67-PF.I/I.]

श्रम, रोजगार और पुनर्वास मंत्रालय

(श्रम और रोजगार विभाग)

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1970

सा० का० नि० 14.—कोयला खान भविष्य निधि और बोनस स्कीम प्रवृत्ति, 1948 (1948 का 46) की धारा 7 के साथ पठित धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम मंत्रालय की अधिवृत्ता संख्या गी० ए० 15(5)/48 तारीख 11 दिसम्बर, 1948 के साथ प्रकाशित कोयला खान भविष्य निधि स्कीम में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है :—

अर्थात् :—

1. यह स्कीम कोयला खान भविष्य निधि (द्वितीय संशोधन) स्कीम, 1970 हो जा सकेगी।
2. कोयला खान भविष्य निधि स्कीम (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) में पैरा 55 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा और सर्वे प्रतिस्थापित किया गया समझा जाएगा, अर्थात् :—

"55 कोयला खान भविष्य निधि का व्यय—

- (1) कोयला खान भविष्य निधि को, जिसमें उसका आरक्षित ऋण तथा प्रस्तावित ऋण सम्मिलित नहीं है, केन्द्रीय सरकार की पूर्ण मंजूरी के बिना इस स्कीम के उपबन्धों के अनुसार निधि के व्यष्टिक सदस्यों या उनके नामनिर्देशितियों या वारिसों या विधिक प्रतिनिधियों के नाम में जमा राशियों के संदाय से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन के लिए व्यय नहीं किया जाएगा।
- (2) पैरा 63 के उप पैरा (4) के अधीन आरक्षित लेखे में जमा की गई रकम को, उन अनुदेशों के अनुसार जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर जारी करे, निम्नलिखित प्रयोजनों में से किन्हीं या सभी के लिए व्यय किया जा सकेगा :—
 - (i) मृतक सदस्यों के नामनिर्देशितियों या वारिसों या विधिक प्रतिनिधियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए;
 - (ii) कोयला खानों में हुई दुर्घटनाओं में मारे गये या निःशक्त हुए कर्मचारियों के आश्रितों के फायदे के लिए किसी भी स्कीम को वित्तपोषित करने के लिए;
 - (iii) पदावरोही सदस्यों की और मृतक सदस्यों के नामनिर्देशितियों या वारिसों या विधिक प्रतिनिधियों को संवाय करने के लिए, जहाँ ऐसे

सदस्यों की बाबत भविष्य निधि अभिदाय या तो पूर्णतः या भागतः निधि में उनके नियोजकों द्वारा निक्षिप्त नहीं किए गये हैं;

(iv) इस स्कीम के पैरा 61 के अन्तर्गत सदस्यों को प्रयुक्त व्याज को दर को स्थिर करने के लिए।

(3) पैरा 32 के अधीन आरक्षित लेखों में जमा की गई रकम को और आरक्षित लेखों में की रकम को विनिहित करने से उपाजित किसी व्याज को उन अनुदेशों के अनुसार जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर जारी करे निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए व्यय किया जा सकेगा :—

(i) भूमि, भवन, मशीन और ऐसी अन्य मूर्त आस्तियों पर, जो 5 वर्ष से अधिक की कालावधि के लिए प्रयोग की जाएं, पूँजी व्यय वहन करने के लिए;

(ii) निधि के प्रशासन लेखों में किसी घाटे को वहन करने के लिए।”

3. स्कीम में पैरा 65B के पश्चात् निम्नलिखित पैरा अन्तःस्थापित किया जाएगा और सदैव अन्तःस्थापित किया गया समझा जाएगा, अर्थात् :—

“65B विशेष मामलों में अभिदाय मंजूर करना—जहाँ कोयला खान में पन्द्रह दिन से अधिक के लिए तालाबन्दी कर दी गई हो या उसे बन्द कर दिया गया हो और उसके कर्मचारी किसी प्रतिकर के बिना बेरोजगार हो गये हों वहाँ केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि कर्मचारियों को नियोजक द्वारा मुक्तियुक्त समय के भीतर किसी भी प्रतिकर का संदाय किये जाने की संभाव्यता नहीं है, ऐसे सदस्य को, जो ऐसी कोयला खान में नियोजित था, एक या अधिक अवसूलीय अभिदायों का संदाय, ऐसे संदाय के प्राधिकरण की तारीख से पूर्ववर्ती संचरित चालू कालावधि के अन्त तक व्याज सहित उसके अपने कुल अभिदायों से अनधिक, उसके भविष्य निधि लेखों में से, प्राधिकृत कर सकेगी।

[संख्या 12(6)/67-पी०एफ०-1(i)]

G.S.R. 15.—In exercise of the powers conferred by section 3 read with section 7 of the Coal Mines Provident Fund and Bonus Schemes Act, 1948 (46 of 1948), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Andhra Pradesh Coal Mines Provident Fund Scheme, published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour No. S.R.O. 657 dated the 12th March, 1956, namely:—

1. This Scheme may be called the Andhra Pradesh Coal Mines Provident Fund (Second Amendment) Scheme, 1970.

2. In the Andhra Pradesh Coal Mines Provident Fund Scheme (hereinafter referred to as the Scheme) for paragraph 33, the following paragraph shall be substituted and be deemed always to have been substituted, namely:—

“33. *Disposal of the Coal Mines Provident Fund.*—(1) The Coal Mines Provident Fund not including therein the Reserve Account and the Administration Account thereof shall not, except with the previous sanction of the Central Government, be expended for any purpose other than the payment of the sums standing to the credit of individual members of the Fund or to their nominees or heirs or legal representatives in accordance with the provisions of this Scheme.

(2) Amounts credited to the Reserve Account under sub-paragraph (6) of paragraph 41, may in accordance with such instructions as the Central Government may issue from time to time, be expended for any or all of the following purposes;

- (i) for providing financial assistance to the nominees or heirs or legal representatives of deceased members;
- (ii) for financing any Scheme for the benefit of the dependants of employees killed or disabled in accidents in coal Mines;
- (iii) for making payments to outgoing members and to the nominees or heirs or legal representatives of deceased members, where Provident Fund contributions in respect of such members have, either in whole or in part, not been deposited into the Fund by their employers;
- (iv) for stabilisation the rate of interest allowed to the members under paragraph 39 of this Scheme.

(3) Any interest earned by investing the amounts in the Reserve Account may, in accordance with such instructions as the Central Government may issue from time to time, be expended for the following purposes—

- (i) for meeting capital expenditure on land, building, machines and such other tangible assets as are used over a period exceeding five years.
- (ii) for meeting any deficit in the Administration Account of the Fund."

3. In the Scheme after paragraph 43D, the following paragraph shall be inserted and shall be deemed always to have been inserted, namely:—

"43E. *Grant of advances in special cases.*—Where a coal mine has been locked up or closed down for more than fifteen days and its employees are rendered unemployed without any compensation the Central Government on being satisfied that no compensation to the employees is likely to be paid to the employer within a reasonable time may authorise payment to a member who was employed in such coal mine one or more non-recoverable advances from his Provident Fund account not exceeding his own total contributions including interest thereon upto the end of the completed period of currency preceding the date of authorisation of such payment."

[No. 12(6)67-PF.I/II.]

सा० का० नि० 15.—कोयला खान भविष्य निधि और बोनस स्कीम अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 7 के साथ पठित धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का० नि० आ० 657 तारीख 12 मार्च, 1956 के साथ प्रकाशित आन्ध्र प्रदेश कोयला खान भविष्य निधि स्कीम में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात् :—

1. यह स्कीम आन्ध्र प्रदेश कोयला खान भविष्य निधि (द्वितीय संशोधन) स्कीम, 1970 कही जा सकेगी ।
2. आन्ध्र प्रदेश कोयला खान भविष्य निधि स्कीम (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) में पैरा 33 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा और सदैव प्रस्थापित किया गया समझा जाएगा, अर्थात् :—

"33 कोयला खान भविष्य निधि का व्ययन—

- (1) कोयला खान भविष्य निधि को, जिसमें उसका आरम्भित लेखा तथा प्रशासन लेखा सम्मिलित नहीं है, केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना इस स्कीम के उपबन्धों के अनुसार निधि के व्यष्टिक सदस्यों या उनके नामनिर्देशितियों या वारिसों या विधिक प्रतिनिधियों के नाम में जमा राशियों के संदाय से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन के लिए व्यय नहीं किया जायेगा ।

(2) पैरा 41 के उप पैरा (5) के अधीन प्रारक्षित लेखे में जमा की गई रकम को, उन अनुदेशों के अनुसार जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर जारी करे, निम्नलिखित प्रयोजनों में से किन्हीं या सभी के लिए व्यय किया जा सकेगा :—

- (i) मृतक सदस्यों के नामनिर्देशितियों या वारिसों या विधक प्रतिनिधियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए;
- (ii) कोयला खानों में हुई दुर्घटनाओं में मारे गये या निःशक्त हुए कर्मचारियों के आश्रितों के फायदे के लिए किसी भी स्कीम को वित्तपोषित करने के लिए;
- (iii) पदावरोही सदस्यों को और मृतक सदस्यों के नामनिर्देशितियों या वारिसों या विधक प्रतिनिधियों को संदाय करने के लिए, जहाँ ऐसे सदस्यों की बाबत भविष्य निधि अभिदाय या तो पूर्णतः या भागतः निधि में उनके नियोजकों द्वारा वित्तपोषित नहीं किये गये हैं;
- (iv) इस स्कीम के पैरा 39 के अधीन सदस्यों को अनुशात व्याज की दर को स्थिर करने के लिए ।

(3) प्रारक्षित लेखे में की रकम को विनिहित करने से उपाजित किसी व्याज को उन अनुदेशों के अनुसार जो केन्द्रीय सरकार समय-समय पर जारी करे निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए व्यय किया जा सकेगा :—

- (i) भूमि, भवन, मशीन और ऐसी अन्य मूर्त आस्तियों पर, जो 5 वर्ष से अधिक की कालावधि के लिए प्रयोग की जाएं, पूंजी व्यय वहन करने के लिए;
- (ii) निधि के प्रशासन लेखे में किसी घाटे को वहन करने के लिए ।”

3. स्कीम में पैरा 43घ के पश्चात् निम्नलिखित पैरा अन्तःस्थापित किया जायेगा और सदैव अन्तःस्थापित किया गया समझा जायेगा, अर्थात् :—

“43ङ् विशेष मामलों में अधिदाय मंजूर करना—जहाँ किसी कोयला खान में पन्द्रह दिन से अधिक के लिए तालाबन्दी कर दी गई हो या उसे बन्द कर दिया गया हो और उसके कर्मचारी किसी प्रतिकर के बिना बेरोजगार हो गये हों वहाँ केन्द्रीय सरकार यह समाधान हो जाने पर कि कर्मचारियों को नियोजक द्वारा युक्तियुक्त समय के भीतर किसी भी प्रतिकर का संदाय किये जाने की संभाव्यता नहीं है, ऐसे सदस्य को, जो ऐसी कोयला खान में नियोजित था, एक या अधिक अवसूलीय अधिदायों का संदाय, ऐसे संदाय के प्राधिकरण की तारीख से पूर्ववर्ती संवृत्ति वाला कालावधि के अन्त तक व्याज सहित उसके अपने कुल अधिदायों से अनधिक, उसके भविष्य निधि लेखे में से, प्राधिकृत कर सकेगी ।

G.S.R. 16.—In exercise of the powers conferred by section 3 read with section 7 of the Coal Mines Provident Fund and Bonus Schemes Act, 1948 (46 of 1948), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Rajasthan Coal Mines Provident Fund Scheme, published with the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 32 dated the 11th February, 1958, namely:—

1. This Scheme may be called the Rajasthan Coal Mines Provident Fund (Second Amendment) Scheme, 1970.

2. In the Rajasthan Coal Mines Provident Fund Scheme (hereinafter referred to as the Scheme) for paragraph 32, the following paragraph shall be substituted and be deemed always to have been substituted, namely:—

“32. *Disposal of the Coal Mines Provident Fund.*—(1) The Coal Mines Provident Fund not including therein the Reserve Account and the Administration Account thereof shall not, except with the previous sanction of the Central Government, be expended for any purpose other than the payment of the sums standing to the credit of individual members of the Fund or to their nominees or heirs or legal representatives in accordance with the provisions of this Scheme.

(2) Amounts credited to the Reserve Account under sub-paragraph (6) of paragraph 40 may, in accordance with such instructions as the Central Government may issue from time to time, be expended for any or all of the following purposes—

- (i) for providing financial assistance to the nominees or heirs or legal representatives of deceased members;
- (ii) for financing any Scheme for the benefit of the dependants of employees killed or disabled in accidents in coal Mines;
- (iii) for making payments to outgoing members and to the nominees or heirs or legal representatives of deceased members, where Provident Fund contributions in respect of such members have, either in whole or in part, not been deposited into the Fund by their employers;
- (iv) for stabilising the rate of interest allowed to the members under paragraph 38 of this Scheme.

(3) Any interest earned by investing the amounts in the Reserve Account may, in accordance with such instructions as the Central Government may issue from time to time, be expended for the following purposes—

- (i) for meeting capital expenditure on land, building, machines and such other tangible assets as are used over a period exceeding five years.
- (ii) for meeting any deficit in the Administration Account of the Fund.”

3. In the Scheme after paragraph 42D the following paragraph shall be inserted and shall be deemed always to have been inserted, namely:—

“42E. *Grant of advances in special cases.*—Where a coal mine has been locked up or closed down for more than fifteen days and its employees are rendered unemployed without any compensation the Central Government on being satisfied that no compensation to the employees is likely to be paid by the employer within a reasonable time may authorise payment to a member who was employed in such coal mine one or more non-recoverable advances from his Provident Fund account not exceeding his own total contributions including interest thereon upto the end of the completed period of currency preceding the date of authorisation of such payment.”

[No. 12(6)67-PF.I/III.]

सांका०नि० 16.—कोयला खान भविष्य निधि और बोनस स्कीम अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 7 के साथ पठित धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार भूतपूर्व श्रम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना संख्या कां०सा० 32 तारीख 11 फरवरी, 1958 के साथ प्रकाशित राजस्थान कोयला खान भविष्य निधि स्कीम में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात्

1. यह स्कीम राजस्थान कोयला खान भविष्य निधि (द्वितीय संशोधन) स्कीम, 1970 कही जा सकेगी ।

2. राजस्थान कोयला खान भविष्य निधि स्कीम (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) में पैरा 32 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जाएगा, और सदैव प्रस्थापित किया गया समझा जाएगा, अर्थात्:—

“32 कोयला खान भविष्य निधि का व्ययन—(1) कोयला खान भविष्य निधि को, जिसमें उसका आरक्षित लेखा तथा प्रशासन लेखा सम्मिलित नहीं हैं, केन्द्रीय सरकार की पूर्ण मंजूरी के बिना इस स्कीम के उपबन्धों के अनुसार निधि के व्यष्टिक सदस्यों या उनके नामनिर्देशितियों या वारिसों या विधिक प्रतिनिधियों के नाम में जमा राशियों के संदाय से भिन्न किसी अन्य योजन के लिए व्यय नहीं किया जाएगा ।

(2) पैरा 40 के उपपैरा (6) के अधीन आरक्षित लेखे में जमा की गई रकम को, उन अनुदेशों के अनुसार जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर जारी करे, निम्नलिखित प्रयोजनों में से किन्हीं या सभी के लिए व्यय किया जा सकेगा —

(1) मृतक सदस्यों के नामनिर्देशितियों या वारिसों या विधिक प्रतिनिधियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए;

(2) कोयला खानों में हुई दुर्घटनाओं में मारे गए या निःशक्त हुए कर्मचारियों के आश्रितों के फायदे के लिए किसी भी स्कीम को वित्तपोषित करने के लिए;

(3) पदावरोही सदस्यों को और मृतक सदस्यों के नामनिर्देशितियों या वारिसों या विधिक प्रतिनिधियों को संदाय करने के लिए, जहां ऐसे सदस्यों की वाबत भविष्य निधि अधिदाय या तो पूर्णतः या भागतः निधि में उनके नियोजकों द्वारा निक्षिप्त नहीं किए गए हैं;

(4) इस स्कीम के पैरा 38 के अधीन सदस्यों को अनुज्ञात ब्याज की दर को स्थिर करने के लिए ।

(3) आरक्षित लेखे में की रकम को विनिहित करने से उपार्जित किसी ब्याज को उन अनुदेशों के अनुसार जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर जारी करे निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए व्यय किया जा सकेगा :—

(1) भूमि, भवन, मशीन और ऐसी अन्य मूर्त आस्तियों पर, जो 5 वर्ष से अधिक की कालावधि के लिए प्रयोग की जाएं, पूंजी व्यय वहन करने के लिए ;

(2) निधि के प्रशासन लेखे में किसी घाटे को वहन करने के लिए ।”

3. स्कीम में पैरा 42 ब के पश्चात् निम्नलिखित पैरा अन्तः स्थापित किया जाएगा और सदैव अन्तः स्थापित किया गया समझा जाएगा, अर्थात्:—

“42 ड विशेष मामलों में अधिदाय मंजूर करना—जहां किसी कोयला खान में पन्द्रह दिन से अधिक के लिए तालाबन्दी कर दी गई हो या उसे बन्द कर दिया गया हो और उसके कर्मचारी किसी प्रतिकर के बिना बेरोजगार हो गए हों वहां केन्द्रीय सरकार, यह समाधान हो जाने पर कि कर्मचारियों को नियोजक द्वारा युक्तियुक्त समय

के भीतर किसी भी प्रतिकार का संदाय किए जाने की संभाव्यता नहीं है, ऐसे सदस्य को, जो ऐसी कोयला खान में नियोजित था, एक या अधिक वसूलीय अभिदायों का संदाय, ऐसे संदाय के प्राधिकरण की तारीख से पूर्ववर्ती संसूचित चानू कालावधि के अन्त तक ब्याज सहित उसके अपने कुल अभिदायों से अधिक, उसके भविष्य निधि लेखे में से, प्राधिकृत कर सकेगी।

[संख्या 12(6)/67-पी० एक०-1(III)]

New Delhi, the 23rd December 1970

G.S.R. 17.—In exercise of the powers conferred by section 3 read with section 7 of the Coal Mines Provident Fund and Bonus Schemes Act, 1948 (46 of 1948), the Central Government hereby makes the following Scheme further to amend the Neyveli Coal Mines Provident Fund Scheme, published with the notification of the Government of India in the Department of Labour and Employment No. GSR 1771 dated the 14th November, 1966, namely:—

1. This Scheme may be called the Neyveli Coal Mines Provident Fund (Second Amendment) Scheme, 1970.

2. In the Neyveli Coal Mines Provident Fund Scheme (hereinafter referred to as the Scheme) for paragraph 42, the following paragraph shall be substituted and be deemed always to have been substituted, namely:—

“42. *Disposal of the Coal Mines Provident Fund.*—(1) The Coal Mines Provident Fund not including therein the Reserve Account and the Administration Account thereof shall not, except with the previous sanction of the Central Government, be expended for any purpose other than the payment of the sums standing to the credit of individual members of the Fund or to their nominees or heirs or legal representatives in accordance with the provisions of this Scheme.

(2) Amounts credited to the Reserve Account under sub-paragraph (6) of paragraph 50 may, in accordance with such instructions as the Central Government may issue from time to time, be expended for any or all of the following purposes:—

- (i) for providing financial assistance to the nominees or heirs or legal representatives of deceased members;
- (ii) for financing any Scheme for the benefit of the dependants of employees killed or disabled in accidents in coal Mines;
- (iii) for making payments to outgoing members and to the nominees or heirs or legal representatives of deceased members, where Provident Fund contributions in respect of such members have, either in whole or in part, not been deposited into the Fund by their employers;
- (iv) for stabilising the rate of interest allowed to the members under paragraph 48 of this Scheme.

(3) Any interest earned by investing the amounts in the Reserve Account may, in accordance with such instructions as the Central Government may issue from time to time, be expended for the following purposes—

- (i) for meeting capital expenditure on land, building, machines and such other tangible assets as are used over a period exceeding five years.
- (ii) for meeting any deficit in the Administration Account of the Fund."

3. In the Scheme after paragraph 55 the following paragraph shall be inserted and shall be deemed always to have been inserted, namely:—

"55. A Grant of advances in special cases.—Where a coal mine has been locked up or closed down for more than fifteen days and its employees are rendered unemployed without any compensation the Central Government on being satisfied that no compensation to the employees is likely to be paid by the employer within a reasonable time may authorise payment to a member who was employed in such coal mine one or more non-recoverable advances from his Provident Fund account not exceeding his own total contributions including interest thereon upto the end of the completed period of currency preceeding the date of authorisation of such payment."

[No. 12(6)67-PF.I/IV.]

DALJIT SINGH Under Secy.

नई दिल्ली, 23 दिसम्बर 1970

सा० का० नि० 17.—कोयला खान भविष्य निधि और बोनस स्कीम अधिनियम, 1948 (1948 का 46) की धारा 7 के साथ पठित धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के श्रम और रोजगार विभाग की अधिसूचना संख्या सा० का० नि० 1771 तारीख 14 नवम्बर, 1966 के साथ प्रकाशित नेविली कोयला खान भविष्य निधि स्कीम में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित स्कीम बनाती है, अर्थात्:—

1. यह स्कीम नेविली कोयला खान भविष्य निधि (द्वितीय संशोधन) स्कीम, 1970 कही जा सकेगी।
2. नेविली कोयला खान भविष्य निधि स्कीम (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है) में पैरा 42 के स्थान पर निम्नलिखित पैरा प्रतिस्थापित किया जायेगा और सदैव प्रस्थापित किया गया समझा जाएगा, अर्थात्:—

42. कोयला खान भविष्य निधि का व्ययन :—

- (1) कोयला खान भविष्य निधि को, जिसमें उसका आरक्षित लेखा तथा प्रशासन लखा सम्मिलित नहीं है, केन्द्रीय सरकार की पूर्व मंजूरी के बिना इस स्कीम के उपबन्धों के अनुसार निधि के व्यष्टिक सदस्यों या उनके नाम निर्देशितियों या वारिसों या विधिक प्रतिनिधियों के नाम में जमा राशियों के संदाय से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन के लिये व्यय नहीं किया जाएगा।

- (2) पैरा 50 के उप पैरा (6) के अधीन आरक्षित लेखे में जमा की गई रकम को, उन अनुदेशों के अनुसार जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर जारी करे निम्नलिखित प्रयोजनों में से किसी या सभी के लिये व्यय किया जा सकेगा :—
- (1) मृतक सदस्यों के नामनिर्देशितियों या वारिसों या विधिक प्रतिनिधियों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए ;
 - (2) कोयला खानों में हुई दुर्घटनाओं में मारे गए या निःशक्त हुए कर्मचारियों के आश्रितों के फायदे के लिए किसी भी स्कीम को वित्तपोषित करने के लिए ;
 - (3) पदावरोही सदस्यों को और मृतक सदस्यों के नामनिर्देशितियों या वारिसों विधिक प्रतिनिधियों को संदाय करने के लिए, जहां ऐसे सदस्यों की बाबत भविष्य निधि अधिदाय या तो पूर्णतः या भागतः निधि में उनके नियोजकों द्वारा निक्षिप्त नहीं किए गए हैं ;
 - (4) इस स्कीम के पैरा 48 के अधीन सदस्यों को अनुभात ब्याज की दर को स्थिर करने के लिए ।
 - (3) आरक्षित लेखे में की रकम को विनिहित करने से उपाजित किसी ब्याज को उन अनुदेशों के अनुसार जो केन्द्रीय सरकार समय समय पर जारी करे निम्नलिखित प्रयोजनों के लिए व्यय किया जा सकेगा :—
 - (1) भूमि, भवन, मशीन, और ऐसी अन्य मूर्त अस्तित्वों पर, जो 5 वर्ष से अधिक की कालावधि के लिए प्रयोग की जाए, पूंजी व्यय वहन करने के लिए ;
 - (2) निधि के प्रशासन लेखे में किसी घाटे को वहन करने के लिए ।”
3. स्कीम में पैरा 55 के पश्चात निम्नलिखित पैरा अन्तः स्थापित किया जायेगा और सर्वत्र अन्तः स्थापित किया गया समझा जाएगा, अर्थात् :—
- “55 क विशेष मामलों में अधिदाय मंजूर करना—जहां किसी कोयला खान में पन्द्रह दिन से अधिक के लिए तालाबन्दी कर दी गई हो या उसे बन्द कर दिया गया हो और उसके कर्मचारी किसी प्रतिकर के बिना बेरोजगार हो गए हो वहां केन्द्रीय सरकार यह समाधान हो जाने पर कि कर्मचारियों को नियोजक द्वारा युक्तियुक्त समय के भीतर किसी भी प्रतिकर का संदाय किए जाने की संभाव्यता नहीं है, ऐसे सदस्य को, जो ऐसी कोयला खान में नियोजित था, एक या अधिक अवसूलीय अधिदायों का संदाय, ऐसे संदाय के प्राधिकरण की तारीख से पूर्ववर्ती संपूरित बालू कालावधि के अन्त तक ब्याज सहित उसके अपने कुल अधिदायों से अनधिक, उसके भविष्य निधि लेखे में से, प्राधिकृत कर सकेगी ।

[संख्या 12(6)/67-पी० एफ०-1(IV)]

दलजीत सिंह,
अवर सचिव, 1

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 5th December 1970

G.S.R. 18.—In exercise of the powers conferred by section 12, read with clause (f) of section 4, of the Commissions of Inquiry Act, 1952 (60 of 1952), the Central Government hereby makes the following rules, namely:—

1. Short Title, Commencement and Application.—(1) These rules may be called the Central Commissions of Inquiry (Local Investigations) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

(3) They shall apply to Commissions of Inquiry appointed by the Central Government.

2. Special Powers of Commission.—The Commission shall have the powers of a civil court to make local investigation, either personally or through any person, duly authorised by it, into any matter falling within its terms of reference.

[No. F. 3/6/70-Judl.I.]

B. SHUKLA, Dy. Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली 1, 5 दिसम्बर 1970

सा० का० नि० 18.—जांच आयोग अधिनियम, 1952 (1952 का ७०) की धारा 4 के खण्ड (च) के साथ पठित धारा 12 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त शीर्षक, प्रारम्भ और लागू होना—

(1) इन नियमों को केन्द्रीय जांच आयोग (स्थानीय अन्वेषण) नियम 1970 कहा जा सकेगा।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

(3) ये नियम केन्द्रीय सरकार द्वारा नियुक्त किये गए जांच आयोगों पर लागू होंगे।

2. आयोग की विशेष शक्तियां—

आयोग को अपने निर्देश निबन्धनों के अन्तर्गत आनेवाले किसी भी विषय में, स्वयं या उसके द्वारा सम्यक रूप से प्राधिकृत किसी व्यक्ति के माध्यम से स्थानीय अन्वेषण करने के लिए सिविल न्यायालय की शक्तियां प्राप्त होंगी।

[सं० एफ-3/6/70 न्यायिक-1]

ब्रह्मानंद शुक्ल उप सचिव।

New Delhi, the 11th December 1970

G.S.R. 19.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Home Affairs (Recruitment to post of Assistant Supervisor, Hindi Teaching Scheme) Rules, 1958, as amended by the Ministry of Home Affairs (Recruitment to post of Assistant Supervisor, Hindi Teaching Scheme) Amendment Rules, 1963 and the Ministry of Home Affairs (Recruitment to post of Assistant Supervisor, Hindi Teaching Scheme) Amendment Rules, 1970, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Ministry of Home Affairs (Recruitment to post of Assistant Supervisor, Hindi Teaching Scheme) Second Amendment Rules, 1970.

(2) They shall come into force at once.

2. In the Ministry of Home Affairs (Recruitment to post of Assistant Supervisor, Hindi Teaching Scheme) Rules, 1958, in the Schedule.

(a) in column 8, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

“(i) Age: No;

(ii) Qualifications: Must possess at least a degree with Hindi as a subject.”; and

(b) in column 11, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:

“Promotion: Hindi Teachers (with three years service in the grade).”

[No. 6/16/70-H.I.]

O. P. BANSAL, Under Secy.

नई दिल्ली 1, 11 दिसम्बर, 1970.

सांका०नि० 19:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति जी गृह मंत्रालय (सहायक पर्यवेक्षक, हिन्दी शिक्षण भोजना के पद पर भर्ती) संशोधन नियम, 1963 और गृह मंत्रालय (सहायक पर्यवेक्षक, हिन्दी शिक्षण योजना के पद पर भर्ती) संशोधन नियम 1970 द्वारा संशोधित गृह मंत्रालय (सहायक पर्यवेक्षक, हिन्दी शिक्षण योजना के पद पर भर्ती) नियम, 1958 में संशोधन करने के लिए इसके द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् —

1. संक्षिप्त शीर्षक और तरःभ :—

(1) ये नियम गृह मंत्रालय (सहायक पर्यवेक्षक, हिन्दी शिक्षण योजना के पद पर भर्ती) दूसरे संशोधन नियम, 1970 कहे जाय ।

(2) ये नियम फौरन लागू होंगे ।

2. गृह मंत्रालय (सहायक पर्यवेक्षक, हिन्दी शिक्षण योजना के पद पर भर्ती) नियम, 1958 की अनुसूची के,

(क) कालम 8 में दी गयी विद्यमान प्रविष्टि की जगह निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात् —

(i) आयु : नहीं ;

(ii) अर्हताएं : कम से कम हिन्दी विषय लेकर सिष्वविद्यालय की उपाधि रखना अवश्यक है” । और

(ख) कालम 11 में विद्यमान प्रविष्टि की जगह निम्नलिखित प्रविष्टि प्रतिस्थापित की जायेगी, अर्थात्—

“पवोन्नति : हिन्दी शिक्षक (उस ग्रेड में तीन वर्ष की सेवा सहित)।”

[सं० 6/16/70-हि०-1]

ओम प्रकाश बंसल, प्रवर सचिव ।

New Delhi, the 17th December 1970

G.S.R. 20.—In exercise of the powers conferred by section 41 of the Arms Act, 1959 (54 of 1959), the Central Government hereby makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Home Affairs No. G.S.R. 991 dated the 13th July, 1962, published in the Gazette of India, Part II, Section 3, Sub-Section (1) dated the 28th July, 1962, namely:—

In the said notification, in Entry 4(1) of Schedule II appended thereto, for the figures and letters “50 Kgs.”, the figure and letters “5 Kgs.” shall be substituted.

[N. F. 17/4/70-GPA II.]

C. B. BUDGUJAR, Under Secy.

New Delhi, 17 दिसम्बर, 1970

जी० एस० आर, 20.—आयुध अधिनियम, 1959 (1959 का 54) की धारा 41 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार दिनांक 28 जुलाई, 1962 को भारत के राजपत्र भाग 2 खण्ड 3, उप खण्ड (1) में प्रकाशित, भारत सरकार, गृह मंत्रालय की अधिसूचना संख्या सा.सा.नि० 991 दिनांक 13 जुलाई, 1962 में एतद्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात्:—

उक्त अधिसूचना में उसके साथ संलग्न अनुसूची II की प्रविष्टि 4(1) में “50 किलोग्राम” अंकों और अक्षरों की जगह “5 किलोग्राम” अंक और अक्षरों को प्रतिस्थापित किया जाएगा।

[संख्या फा. 17/4/70-जी०पी०ए० II]

च० भ० बड़गुजर, प्रवर सचिव ।

New Delhi, the 18th December 1970

G.S.R. 21.—The following draft of certain rules further to amend the Registration of Foreigners Rules, 1939, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 3 of the Registration of Foreigners Act, 1939 (16 of 1939) is hereby published as required by the said section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration by the Central Government on or after the 18th January, 1971.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the date so specified will be considered by the Central Government.

Draft Rules

1. (1) These rules may be called the Registration of Foreigners (Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Registration of Foreigners Rules, 1939, in rule 6,—

(i) in sub-rule (1), after clause (c), the following clause shall be inserted, namely:—

“(d) in the case of a person who has become a foreigner by reason of his having ceased to be a citizen of India while resident in India, to the Registration Officer having jurisdiction in the place where the said person is ordinarily resident.”;

(ii) in sub-rule (2), after clause (c), the following clause shall be inserted, namely:—

“(d) in the case of a foreigner referred to in clause (d) of sub-rule (1), within fifteen days of his ceasing to be a citizen of India.”

(iii) after sub-rule (2), the following Explanation shall be inserted, namely:—

“Explanation.—For the purposes of sub-rule (1) and sub-rule (2), the date on which the person concerned shall be deemed to have ceased to be a citizen of India, shall be—

(a) where he has voluntarily acquired the citizenship of another country by naturalisation or registration, the date of such naturalisation or registration;

(b) where he has obtained a passport from the Government of any other country, the date on which such passport was obtained:

Provided that in the case of a person in respect of whom an order has been made under sub-section (2) of section 9 of the Citizenship Act, 1953 (57 of 1953) holding that he had acquired the citizenship of a foreign country, such date shall be the date of the order aforesaid.”

[No. 11012/5/70-F.I.]

J. C. AGARWAL, Jt. Secy.

MINISTRY OF FOOD, AGRICULTURE, COMMUNITY DEVELOPMENT AND COOPERATION

(Department of Agriculture)

New Delhi, the 15th December 1970

G.S.R. 22.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Ministry of Food and Agriculture (Recruitment to Technical Non-Gazetted Class II and III Posts) Rules, 1959, namely:—

1. (1) These rules may be called the Ministry of Food and Agriculture (Recruitment to Technical Non-Gazetted Class II and III Posts) (Fourth Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

In the Schedule to the Ministry of Food and Agriculture (Recruitment to Technical Non-Gazetted Class II and III Posts) Rules, 1959, under the heading "Class II Non-Gazetted Posts",—

- (1) against item 20, in column 7, under "Essential" qualifications, in item (i), for the words "Economics, Commerce", the words "Economics, Mathematics, Commerce" shall be substituted;
- (2) after item 21 and the entries relating thereto, the following item and entries shall be inserted, namely:—

1	2	3	4	5	6	7
Senior Technical Assistant (Freedom from Hunger Campaign)	I	General Central Service Class II, Non-Gazetted Non-metropolitan	Rs. 325-15-47-EB-20-575	Selection	Not exceeding thirty years. (Relaxable for Government servants.)	<p><i>Essential :</i></p> <p>(i) A second class degree in Agriculture or Masters degree in Economics with specialisation in Rural Economics from a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) About 3 years experience of dealing with projects relating to agricultural production extension education and farmers training in the field.</p> <p>(Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified.)</p> <p><i>Desirable:</i></p> <p>Experience of dealing with Voluntary Organisations and work connected with Seminars, Conferences etc.)</p>

8	9	10	11	12	13
No.	Two years	By promotion failing which by direct recruitment.	Promotion: Technical Assistant (Foreign Aids) with 5 years service in the grade rendered after appointment thereto on a regular basis.	Class II Departmental Promotion Committee.	As per the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958."

[No. 3-66/69-E IV.]

P. K. MUKHERJI, Under Secy.

खाद्य, कृषि, सामुदायिक विकास और सकारिता मंत्रालय

(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, 15 दिसम्बर, 1970

जी० एत० आर० 22—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, खाद्य और कृषि मंत्रालय (तकनीकी, अराजपत्रित, वर्ग 2 और 3 पदों पर भर्ती) नियम, 1959 में और आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम, एतद्वारा बनाते हैं, अर्थात्:—

1. (1) ये नियम खाद्य और कृषि मंत्रालय (तकनीकी, अराजपत्रित, वर्ग 2 और 3 पदों पर भर्ती), (चतुर्थ संशोधन) नियम, 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये शासकीय राजपत्र में अपने प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. खाद्य और कृषि मंत्रालय (तकनीकी, अराजपत्रित, वर्ग 2 और 3 पदों पर भर्ती) नियम, 1959 की अनुसूची में, "वर्ग 2 अराजपत्रित पद" शीर्षक के नीचे:—

(1) मद 20 के सामने स्तंभ 7 में, "आवश्यक अर्हताएं" के नीचे, मद (1) अर्थशास्त्र, वाणिज्य शब्दों के स्थान पर "अर्थशास्त्र, गणित, वाणिज्य" शब्द प्रतिस्थापित किए जाएंगे;

(2) मद 21 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के पश्चात्, निम्नलिखित मद और प्रविष्टियां अन्तः स्थापित की जाएंगी, अर्थात्:—

1	2	3	4	5	6	7
22. ज्येष्ठ एक तकनीकी सहायक (भूख से मुक्ति अभियान)	साधारण केन्द्रीय सेवा वर्ग 2, अराज-पत्रित, अन-नुसचिबीय	325-15-475-द० रो० 20-575 रु०	चयन	तीस वर्ष से अतधिक (सरकारी सेवकों के लिए शि-थिल की जा सकती है)	आवश्यक (1) किसी मान्यता-प्राप्त विश्वविद्या-लय से कृषि में द्वितीय श्रेणी की उपाधि या प्राचीन अर्थशास्त्र में, विशिष्टी-करण सहित अर्थशास्त्र में मास्टर की उपाधि या समतुल्य	(11) कृषि, उपज, विस्तारण, शिक्षा और खेत में कि-सानों के प्रशिक्षण से संबंधित प्रा-योजनाओं में काम करने का अनुभव (अन्यथा सुअहित अभ्यासियों की दशा में अर्हताएं प्रायोग के विवेका-नुसार शिथिल की जा सकती)

बाह्यनीय

स्वेच्छिक संगठनों और सेमिनारों, कांफेंसों आदि से संबंधित कार्य करने का, अनु-भव ।

8	9	10	11	12	13
नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा	प्रोन्नति तकनीकी सहायक (वि- देशी सहायता) जिसने नियमित आधार पर नियुक्ति के पश्चात् श्रेणी में 5 वर्ष की सेवा की हो।	वर्ग 2 वि- भागीय प्रोन्नति समिति	संघ लोक सेवा आयोग (परा- मर्श से छूट) विनियम, 1958 के अधीन जैसा अपेक्षित है।

[सं० 3-66-69-स्थापना-4.]

पी० के० मुखर्जी, अवर सचिव।

MINISTRY OF SUPPLY*New Delhi, the 22nd December 1970*

G.S.R. 23.—In exercise of the powers conferred the the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Supply Service (Class I) Rules, 1961, namely:—

1. (1) These rules may be called the Indian Supply Service (Class I) Amendment Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Supply Service (Class I) Rules, 1961, after rule 5, the following rule shall be inserted, namely:—

“5A. Disqualifications.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,—

shall be eligible for appointment to any of the said posts:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.”

[No. 35/2/61-ESI.]

V. RADHAKRISHNAN, Under Secy.

MINISTRY OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT & INTERNAL TRADE

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 30th November 1970

G.S.R. 24.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the Central Government hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Senior Accountant in the Ministry of Industrial Development and Internal Trade (Department of Industrial Development), namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Department of Industrial Development (Senior Accountant) Recruitment Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule annexed hereto.

3. Number of post, its classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age-limit, other qualifications, etc.—The method of recruitment to the said post, age-limit, qualifications and other matters relating thereto shall be specified in columns 5 to 13 of the aforesaid Schedule.

5. Disqualification.—No person.—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied, that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

SCHB-

Recruitment rules for the Posts of Senior Accountant in the

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non Selection Post	Age for direct recruit	Educational and other qualifications required for direct recruit
--------------	--------------	----------------	--------------	--	------------------------	--

1	2	3	4	5	7	8
Senior Accountant	5	General Central Service Class II Non-Gazetted Ministerial	Rs. 275-15-10 to 435-EB-20 575	Not Applicable	Not Applicable	Not Applicable

DULE

Deptt. of Industrial Development.

Whether age and educational qualification prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.
--	-----------------------------	--	--	---	---

8	9	10	11	12	13
Not Applicable	Not Applicable	By transfer on deputation	<p><i>Transfer on deputation:</i></p> <p>(i) Assistants of the Central Sectt. Service with 5 years service in the grade and who have undergone training in Cash and Accounts matters in the Sectt. Training School—50%</p> <p>(ii) Officers of the rank of S.A.S. Accountant from any of the organised Accounts Deptts. e.g. Indian Audit and Accounts Deptt., Indian Railway Accounts Department and Indian Posts and Telegraphs Deptt. — 50%</p> <p>(Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).</p>	Not applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulation, 1958.

[F. No. 2/2/68-E. II]

N. SIVARAMAN, Under Secy.

औद्योगिक विकास तथा आंतरिक व्यापार मंत्रालय]

(औद्योगिक विकास विभाग)

नई दिल्ली, 30 नवम्बर, 1970

जी० ए० ए० 24:—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा औद्योगिक विकास तथा आंतरिक व्यापार मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में वरिष्ठ लेखापाल के पद के लिए भर्ती की विधि का नियम करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त शीर्षक तथा आरम्भ :—(1) इन नियमों को औद्योगिक विकास विभाग (वरिष्ठ लेखापाल) भर्ती नियम, 1970 कहा जाएगा ।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे ।

2. उपयोग :—ये नियम इसके साथ अनुबंधित अनुसूची के कालम 1 में उल्लिखित पद के लिए लागू होंगे ।

3. पदों की संख्या, उत्तरदायीकरण तथा वेतन-राम :—संख्या और वर्गीकरण तथा उपर्युक्त पद से संबद्ध वेतनमान वही होंगे जो उल्लिखित अनुसूची के कालम 2 से 4 में उल्लिखित हैं ।

4. भर्ती की विधि, आयु सीमा अर्हताएं आदि :—स्थान पर भर्ती की विधि, आयु सीमा, अर्हताएं तथा उससे संबंधित अन्य मामले वही होंगे जिनका उल्लेख उपरिलिखित अनुसूची के कालम 5 से 13 में किया गया है ।

5. अनर्हताएं :—कोई भी व्यक्ति :—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से पाणिग्रहण किया है अथवा विवाह कर लिया है जिसका पति/पत्नी जीवित है, अथवा

(ख) जिसने पति/पत्नी के जीवित होते हुए, किसी व्यक्ति से पाणिग्रहण किया है अथवा विवाह कर लिया है । उपर्युक्त पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा ।

बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार, यदि इस बात से संतुष्ट हो जाती है कि ऐसे व्यक्ति के प्रकरण में प्रयुक्त होने वाली व्यक्तिगत विधि के अंतर्गत ऐसे विवाह की अनुमति है तथा ऐसे आदेश दिये जाने के कोई अन्य कारण हैं तो वह किसी भी व्यक्ति के मामले में यह नियम लागू करने से छूट दे सकती है ।

अनु

औद्योगिक विकास तथा आंतरिक व्यापार मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग)

पद का नाम पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनक्रम	चुनावपद अथवा गैर चुनाव पद	प्रत्यक्ष भर्ती किए जाने . वालों के लिए आयु सीमा	प्रत्यक्ष भर्ती किए जाने वाले के लिए अपेक्षित शैक्षणिक तथा अन्य योग्यताएं
--------------------------	----------	----------	---------------------------	---	---

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

वरिष्ठ लेखा-पाल	5	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-2 अराजपत्रित (सचिवालय-योग्य)	रु० 270-15-435- द०रो-20-575	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता
-----------------	---	---	--------------------------------	----------------	----------------	----------------

सूची

में वरिष्ठ लेखापाल के पद के लिए भर्ती नियम

प्रत्यक्ष भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निर्धारित आरक्षण और श्रेणी योज्यताएं पदोन्नति किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए लागू होंगी	परिक्षा की अवधि, यदि कोई हो	भर्ती की विधि क्या भर्ती प्रत्यक्ष या पदोन्नति के द्वारा प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण के द्वारा की जाएगी तथा विज्ञापन विधियों से भरे जाने वाले रिक्त स्थानों का प्रतिशत	पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति क्या स्थानान्तरण के द्वारा भर्ती के मामले में किन प्रेडों से पदोन्नति/प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण किया जाएगा, रण किया जाएगा, समिति बनी हुई है, यदि हो, तो उसकी रचना क्या है	परिस्थितियां जिनमें भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है
--	-----------------------------	--	--	--

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण : (1) केन्द्रीय सचिवालय सेवा के सहायक ग्रेड में 5 वर्ष की सेवा वाले सहायक और जिन्होंने सचिवालय प्रशिक्षण केन्द्र से रोकड़ तथा लेखा का प्रशिक्षण प्राप्त किया हुआ है, में से 50 प्रतिशत। (2) किसी भी संगठित लेखा विभाग से एस०ए०एस० पद के अधिकारी अर्थात् भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग, भारतीय प्रतिरक्षा	लागू नहीं होता	संघ लोक सेवा आयोग (परा-मर्श से छूट) विनियमन, 1958 के अन्तर्गत अपेक्षित
----------------	----------------	-------------------------------------	--	----------------	--

1

2

3

4

5

6

7

8

9

11

21

1E

लेखा विभाग, भारतीय
रेलवे लेखा विभाग
और भारतीय डाक
तथा विभाग से-50
प्रतिपात

(प्रतिनिधित्व की अवधि
सामान्यतः 3 वर्ष से
अधिक नहीं)

[सं० 2(2)/69-ई० 2]

एम शिवरामन, भवर सचिव

(Department of Industrial Development)

New Delhi, the 21st December 1970

G.S.R. 25.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Artist in the Directorate General of Technical Development, Department of Industrial Development, namely:—

1. Short title and Commencement:—(1) These rules may be called the Directorate General of Technical Development (Artist) Recruitment Rules, 1970. (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application:—These rules shall apply to the post as specified in column 1 of the schedule annexed hereto.

3. Number of post, classification and scale of pay:—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the said schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualifications etc.—The method of recruitment to the said post, age limit, qualifications and other matters connected therewith shall be as specified in columns 5 to 13 of the schedule aforesaid:

Provided that the Upper age limit specified in column 6 of the said schedule for direct recruitment may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the general orders of the Central Government issued from time to time.

5. Disqualifications:—No person.—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) Who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any persons,

shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax:—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order for reasons to be recorded in writing and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

SCHB-

Recruitment Rules for the Post of Artist in the Directorate General of Technical

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether selection post or non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
--------------	--------------	----------------	--------------	--	-------------------------	---

1	2	3	4	5	6	7
Artist	1	General Central Service (Class II, Non-Gazetted Non-Ministerial.	Rs. 325-15-475-EB-20-575.	Not Applicable.	30 years (Relaxable for Government Servants).	<p><i>Essential :</i></p> <p>(i) Degree or equivalent Diploma in Fine Art/Commercial Art of a recognised University/Institution.</p> <p>(ii) About 2 years practical experience of Commercial Art including experience of preparation of lay-outs, charts maps, cover designs illustrations, letterings etc in a Government. Organisation or in a firm of standing.</p> <p>(Qualifications relaxable at Commissions discretion in case of candidates otherwise well qualified).</p>

Desirable:

Knowledge of Hindi.

DULE

Development Department of Industrial Development

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of recruitment whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not Applicable.	2 years.	By direct recruitment.	Not Applicable.	Not Applicable.	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from consultation) Regulations, 1958.

[No. A-120/8(2)/70-EIV.]

G. RAMANATHAN. Under Secy.

श्री ग्रीक विकास विभाग

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर, 1970

जी०एस०आर० 25 —संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा तकनीकी विकास का महानिदेशालय, औद्योगिक विकास विभाग में चित्रकार के पद के लिए भर्ती की विधि का नियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त शीर्षक तथा प्रारम्भ :—(1) इन नियमों को तकनीकी विकास का महानिदेशालय (चित्रकार) भर्ती नियम, 1970 कहा जाएगा ।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे ।

2. उपयोग :—ये नियम इसके साथ अनुबंधित अनुसूची के कालम 1 में उल्लिखित पद के लिए लागू होंगे ।

3. पदों की संख्या उसका वर्गीकरण तथा वेतन मान :—संख्या और वर्गीकरण तथा उपर्युक्त पद से संबद्ध वेतनमान वही होंगे जो उल्लिखित अनुसूची के कालम 2 से 4 में उल्लिखित हैं ।

4. भर्ती की विधि, आयु सीमा, अर्हताएं आदि :—स्थान पर भर्ती की विधि, आयु सीमा, अर्हताएं तथा उससे संबंधित अन्य मामले वही होंगे जिनका उल्लेख उपरिलिखित अनुसूची के कालम 5 से 13 में किया गया है ।

बशर्ते कि प्रत्यक्ष भर्ती के संबंध में उपर्युक्त अनुसूची के कालम 6 में उल्लिखित उच्चतम आयु सीमा में उन उम्मीदवारों के लिए छूट दी जा सकती है जो अनुसूचित जातियों या अनुसूचित आदिम जातियों तथा केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये सामान्य आदेशों के अनुसार अन्य विशेष वर्गों में आते हैं ।

5. अर्हताएं :—कोई भी व्यक्ति—

(क) जिसने किसी ऐसे व्यक्ति से पाणिग्रहण किया है अथवा विवाह कर लिया है जिसका

पति / पत्नी जीवित है, अथवा

(ख) जिसने पति / पत्नी के जीवित होते हुए, किसी व्यक्ति से पाणिग्रहण किया है अथवा विवाह कर लिया है । उपर्युक्त पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होगा ।

बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार, यदि इस बात से संतुष्ट हो जाती है कि ऐसे व्यक्ति के प्रकरण में प्रयुक्त होने वाली व्यक्तिगत विधि के अन्तर्गत ऐसे विवाह की अनुमति है तथा ऐसे आदेश दिये जाने के कोई अन्य कारण हैं तो वह किसी भी व्यक्ति के मामले में यह नियम लागू करने से छूट दे सकती है ।

6. छूट देने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह सम्मति हो कि ऐसा करना आवश्यक या कालोचित है वह आदेश द्वारा लिखित रूप में कारण बता कर संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से किसी भी श्रेणी या वर्ग के व्यक्तियों अथवा स्थानों के इन नियमों के किसी भी उपबन्ध से छूट दे सकती है।

अनु-

तकनीकी विकास के महानिदेशालय, औद्योगिक विकास

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	चुनाव पद	प्रत्यक्ष भर्ती के लिए आय सीमा	प्रत्यक्ष भर्ती किये जाने वाले के लिए अपेक्षित शैक्षणिक तथा अन्य योग्यताएं
-----------	----------------	----------	---------	----------	--------------------------------	--

1	2	3	4	5	6	7
चित्रकार (आर्टिस्ट)	एक	सामान्य	श० 325-15	लागू नहीं होता	30 वर्ष (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट)	<p>आवश्यक :</p> <p>1. मान्यताविज्ञविद्यालय / संस्था की फाईन आर्ट / कामशियल आर्ट में डिग्री अथवा उसके समक डिप्लोमा ।</p> <p>2. अभिन्यास, चार्ट, नक्शे आवरण डिजाइन निदर्शी चित्र (इल्स्ट्रेशन) अक्षरांकन आदि साहित्य कामशियल आर्ट का किसी सरकारी संगठन अथवा प्रसिद्ध फर्म में लगभग 2 वर्ष का व्यवहारिक अनुभव । (आयोग के स्वनिर्णय पर अर्हताओं में छूट यदि प्रार्थी अन्यथा सुशिक्षित है)</p> <p>ऐं छक :</p> <p>हिन्दी का ज्ञान ।</p>

सूची

विभाग में चित्रकार के पद के लिये भर्ती विभाग नियम

क्या प्रत्यक्ष भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए निर्धारित आयु और शैक्षणिक योग्यताएं पदोन्नति किये जाने वाले व्यक्तियों के साथ भी लागू होंगी	परिवीक्षा भर्ती की विधि। की अर्वाध यदि कोई हो या पदोन्नति के द्वारा या प्रतिनियुक्ति / स्थानान्तरण के द्वारा की जायगी तथा विभिन्न विधियों से भरे जाने वाले रिक्त स्थानों का प्रतिशत	पदोन्नति / प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण के द्वारा भर्ती के मामले में किन ग्रडों से पदोन्नति/ प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण किया जायगा	क्या विभागीय पदोन्नति समिति बनी हुई है, यदि हो तो उसकी रचना क्या है	परिस्थितियां जिन में भर्ती करते समय संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है	
8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	2 वर्ष	प्रत्यक्ष भर्ती द्वारा	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	संघ लोक सेवा आयोग के अन्तर्गत (विचार विमर्श से छूट) विनियमन, 1958 के अन्तर्गत अपेक्षित।

MINISTRY OF PETROLEUM, CHEMICALS, MINES & METALS

(Department of Mines & Metals)

New Delhi, the 22nd December 1970

G.S.R. 26.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Indian Bureau of Mines (Class I and II posts) Recruitment Rules, 1964, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Indian Bureau of Mines (Class I and II posts) Recruitment (Third Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Indian Bureau of Mines (Class I and II posts) Recruitment Rules, 1964,—

(1) against Serial No. 9 (relating to Superintending Mining Geologist), under column 7, under the heading "essential", for item (i), the following item shall be substituted, namely:—

"(1) Diploma of the Indian School of Mines & Applied Geology, Dhanbad, or Master's Degree in Geology or Applied Geology of a recognised University/Institute or equivalent.";

(2) against Serial No. 12 [relating to Superintending Officer (Ore Dressing)] under column 7, under the heading "Essential", for item (i), the following item shall be substituted, namely:—

"(1) Master's Degree in Chemical Engineering or Metallurgy or Mining or Applied Chemistry of a recognised University/Institute or Associateship in Mining of the Indian School of Mines & Applied Geology, Dhanbad, with specialisation in ore dressing or equivalent.";

(3) against Serial No. 13 (relating to Superintending Mineral Economist), under column 7, under the heading "Essential", for item (i), the following item shall be substituted, namely:—

"(i) Degree in Mining Engineering or a recognised University or Master's Degree in Geology/Applied Geology/Economics/Statistics of a recognised University/Institute, or Diploma of the Indian School of Mines & Applied Geology, Dhanbad, with Mineral Economics as a special subject, or equivalent.";

(4) against Serial No. 14 (relating to Regional Mining Geologist), under column 7, under the heading "Essential", for item (i), the following item shall be substituted, namely:—

"(i) Diploma of the Indian School of Mines & Applied Geology, Dhanbad, or Master's Degree in Geology or Applied Geology of a recognised University/Institute or equivalent.";

(5) against Serial No. 15 (relating to Mineral Economist) under column 7, under the heading "Essential", for item (i), the following item shall be substituted, namely:—

"(1) Master's Degree in Geology or Applied Geology of a recognised University or Degree in Mining Engineering or Diploma of the Indian School of Mines & Applied Geology, Dhanbad, with Mineral Economics as special subject or equivalent.";

(6) against Serial No. 21 (relating to Senior Mining Geologist), under column 7, under the heading "Essential", for item (i), the following item shall be substituted, namely:—

"(i) Diploma of the Indian School of Mines & Applied Geology, Dhanbad, or Master's Degree in Geology or Applied Geology of a recognised University or Institute or equivalent.";

(7) against Serial No. 31 (relating to Junior Mining Geologist), under column 7, under the heading "Essential", for item (i), the following item shall be substituted, namely:—

“(i) Diploma of the Indian School of Mines & Applied Geology, Dhanbad, or Master's Degree in Geology or Applied Geology of a recognised University/Institute or equivalent.”;

(8) against Serial No. 32 [relating to Assistant Mineral Economist (Intelligence)], under column 7, under the heading “Essential” for item (i), the following item shall be substituted, namely:—

“(i) Master's Degree in Geology or Applied Geology or Degree in Mining Engineering of a recognised University or Diploma of the Indian School of Mines & Applied Geology, Dhanbad, or equivalent.”;

(9) against Serial No. 36 (relating to Assistant Ore Dressing Officer), under column 7, under the heading “Essential”, for item (i), the following item shall be substituted, namely:—

“(i) Degree in Chemical Engineering or Metallurgy or Master's Degree in Chemistry or Physics or Geology of a recognised University/Institute or Diploma of the Indian School of Mines & Applied Geology, Dhanbad, or equivalent”.

[No. F. 6/20/69-MIII.]
T. L. SANKAR, Dy. Secy.

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 21st December 1970

G.S.R. 27.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules. Further to amend the Film Division (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1963, namely:—

1. (i) These rules may be called the Films Division (Class I and Class II posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(ii) These rules shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Films Division (Class I and Class II posts) Recruitment Rules, 1963, against serial No. 5, for entries in col. 10, the following entries shall be substituted, namely:—

“Direct recruitment—80 per cent.

Promotion falling which by direct recruitment.—20 per cent.”.

[No. 3/5/70-F(A)-FDRRA.]
K. K. KHAN, Under Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली 21, दिसम्बर 1970.

जी० एस० आर० 27:—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्ध द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, फिल्म प्रभाग (प्रथम श्रेणी तथा द्वितीय श्रेणी पद) भर्ती नियमावली, 1963 में अतिरिक्त संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं:—

1. (1) इन नियमों को फिल्म प्रभाग (प्रथम श्रेणी तथा द्वितीय श्रेणी पद) भर्ती (संशोधन) नियमावली 1970 कहा जा सकेगा।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. फिल्म प्रभाग (प्रथम श्रेणी तथा द्वितीय श्रेणी पद) भर्ती नियमावली, 1963 के परिशिष्ट क्रम संख्या 5 के सामने कालम 10 के अन्तर्गत प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी:—

“सीधी भर्ती 80 प्रतिशत

पद, ऐतिहासिक, इसके न हो सकने पर सीधी भर्ती 20 प्रतिशत”

[संख्या एफ० 3/5/70-एफ०/ए०/एफ० डी० आर० आर० ए०]
के० के० खान, अवर सचिव।

CABINET SECRETARIAT

(Department of Statistics)

New Delhi, the 10th December 1970

G.S.R. 28.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Technical Officer in the Central Statistical Organisation in the Department of Statistics, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) The rules may be called the Technical Officer (Class I post) Recruitment Rules 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the post specified in column 1 of the Schedule hereto annexed.

3. Number, classification and scale of pay.—The number of post, its classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit and other qualifications.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post, shall be as specified in column 5 to 13 of the said Schedule;

Provided that the upper age limit specified in column 6 of the said Schedule may be relaxed in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes, Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the general orders of the Central Government issued from time to time.

5. Disqualification.—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the post:

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons/the post.

Requirement Rules for the post of Technical Officer in the Central

Name of Post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection Post or non-selection post	Age for direct recruits	Educational and other qualifications required for direct recruits
--------------	--------------	----------------	--------------	--	-------------------------	---

1	2	3	4	5	6	7
Technical Officer	1	General Central Service Class I Gazetted (Non-Ministerial)	Rs. 400-400-450-30-600-35-670-EB-35-950	Not applicable	30 years and below (Relaxable for Government servants)	<p><i>Essential,</i></p> <p>(i) Matriculation of a recognised University or equivalent.</p> <p>(ii) Degree or Diploma in Fine Art of Commercial Art of a recognised University/Institution or equivalent.</p> <p>(iii) About 5 years experience of Commercial Art in an advertising or a publishing agency or a Government Department or an Institution or a Firm of Standing. (Qualifications relaxable at Commission's discretion in case of candidates otherwise well qualified).</p> <p><i>Desirable</i></p> <p>(i) Experience of production of graphical work for printing.</p> <p>(ii) Sound knowledge of Hindi.</p>

Statistical Organisation in the Department of Statistics

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of Promotees	Period of Probation, if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt by promotion/ deputation/ transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
Not applicable	2 years	Direct recruitment	Not Applicable	Not Applicable	As required under the Union Public Service Commission (Exemption from Consultation) Regulations, 1958.

मंत्रीमंडल सचिवालय

सांख्यिकीय विभाग

नई दिल्ली 10 दिसम्बर, 1970

जी० एस आर० 28 :—संविधान के अनुच्छेद 309 के उपबन्ध द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एतद्वारा सांख्यिकी विभाग के केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन में तकनीकी अधिकारी के पद की भर्ती पद्धति को विनियमित करने वाला नियम बनाते हैं नामतः :—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ :—(1) ये नियम तकनीकी अधिकारी (श्रेणी 1 पद) भर्ती नियम 1970 कहलाएंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में अपने प्रकाशित होने की तारीख से प्रवृत्त होंगे।

2. प्रयुक्ति:—इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूची के स्तम्भ 1 में विनिर्दिष्ट पद के लिए ये नियम लागू होंगे।

3. संख्या वर्गीकरण और वेतनमान :—पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उससे संलग्न वेतनमान वे होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 2 से 4 तक विनिर्दिष्ट हैं।

4. भर्ती की प्रणाली, आयु-सीमा और अन्य अर्हताएं :—उक्त पद के सम्बन्ध में भर्ती की प्रणाली आयु-सीमा अर्हताएं और अन्य मामले वे ही होंगे जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 से 13 तक विनिर्दिष्ट हैं :

परन्तु किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जम-जाति या अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों की दशा में सीधी भर्ती के लिए विहित उच्चतम आयु-सीमा समय-समय पर निकाले गए केन्द्रीय सरकार के आदेशों के अनुसार शिथिल की जा सकेगी।

5. अर्हता :

(क) कोई व्यक्ति जो किसी ऐसे व्यक्ति के साथ विवाह करता है या विवाह की संविदा करता है जिसका कि पति/पत्नी जिसकी जीवित हो सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा, अथवा

(ख) कोई व्यक्ति जो कि पति/पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति के साथ विवाह करता है/करती है सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार यह समाधान होने पर कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के दूसरे पक्ष पर लागू होने वाली स्वीय विधि के अधीन अवैध है और ऐसा करने के अन्य आधार हैं किसी भी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकती है।

6. निवार शिथिल करते की शक्ति :—जहां केन्द्रीय सरकार की राय है कि ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है वहां वह उन कारणों से जो लेखबद्ध किए जायेंगे और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से आदेश द्वारा व्यक्तियों / पद के किसी वर्ग या प्रवर्ग के बारे में इन नियमों के उपबन्धों में से किसी को भी छूट दे सकेगी ।

सांख्यिकी विभाग के केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन में तकनीकी

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	चयन पद है या चयनेत	सीधी भरती पद है या सीधे चयन	सीधी भरती के लिए अपेक्षित शैक्षिक और अन्य अर्हताएँ
-----------	----------------	----------	---------	--------------------	-----------------------------	--

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

तकनीकी अधिकारी	1	साधारण केन्द्रीय सेवा श्रेणी I राजपत्रित (अलि-पिक वर्गीय)	रु० 400-400-450-30-500-35-670-द० रो० 35-950	लाग नहीं होता	30 वर्ष अथवा उससे कम (सरकारी कर्मचारियों के लिए छूट)	<p>अनिवार्य :</p> <p>(i) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय से मैट्रिक्यूलेशन अथवा समकक्ष ।</p> <p>(ii) किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय / संस्था से वाणिज्यिक कला अथवा ललित कला की डिग्री/डिप्लोमा अथवा समकक्ष ।</p> <p>(iii) किसी विज्ञापन या प्रकाशन ऐजेन्सी अथवा किसी सरकारी विभाग या किसी संस्था अथवा</p>
----------------	---	---	---	---------------	--	---

अधिकारी के पद के लिए भरती नियम

वया सीधो भरती वालों के लिए वि- हित आयु और शैक्षिक अर्हताएं पदो- न्नत किए जाने वालों पर भी लागू होंगी	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भरती पद्धति क्या सौधी भरती द्वारा या पदोन्नति द्वारा अथवा प्रति- नियुक्ति/स्थानान्तर- ण द्वारा एवं अलग अलग पद्धतियों से भरे जाने वाली रिक्तियों की प्रति- शतता	पदोन्नति/प्रतिनि- युक्ति/स्थानान्तर- ण द्वारा की जाने वाली भरती के मामले में श्रेणियों का उल्लेख जिनसे कि पदोन्नति/प्रति- नियुक्ति/स्था- नान्तरण किया जाना है	यदि कोई विभागीय पदोन्नति समिति अस्तित्व में हो तो उसका गठन किस प्रकार का है	परिस्थितियां जिनमें कि भरती करने के संबंध में संघ लोक सेवा आयोग से परा- मर्श किया जाना है
--	---------------------------------------	---	--	--	---

8

9

10

11

12

13

लागू नहीं
होता

2 वर्ष

सीधी भरती

लागू नहीं होता

लागू नहीं
होता

जैसा संघ लोक
सेवा आयोग
(परामर्श से
छूट) विनि-
यमावली 1958
के अधीन
अपेक्षित है ।

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

कर्म में वाणिज्यक
कला लगभग 5
वर्ष का अनुभव।
(उम्मीदवार के
अन्यथा सुशिक्षित
होने पर आयोग
अपने विवेक से
अर्हताओं में छूट
दे सकेगा)।

बांछनीय :

- (i) छपाई के लिए
लेखाचित्रीय कार्य
के उत्पादन का
अनुभव।
- (ii) हिन्दी का ठोस
ज्ञान।

8

9

10

11

12

13

[सं एफ० ए० 12018/6/70-स्थापना I/II]

के० पी० गीताकृष्णन्,
उप सचिव, ।

(Department of Personnel)

New Delhi, the 21st December 1970

G.S.R. 29.—In paragraph 5 of the Department of Personnel Notification No. 213/21/68-AVD.II(Vol.II), dated the 14th October, 1970, after the word "writing" and before the word "relax" the following may be added:

"and in consultation with the Union Public Service Commission".

[No. 213/21/68-AVD.II(Vol.II).]

B. C. VANJANI, Under Secy.

(कार्मिक विभाग)

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर 1970

जी०एस०आर० 29.—कार्मिक विभाग की अधिसूचना संख्या 213/21/68-ए०वी०डी-11(खण्ड-11), तिथि 14 अक्टूबर, 1970, के परा 5 में शब्द "लिखित रूप से कारण बताते हुए" के बाद, और शब्द "आदेश" से पहले, निम्नलिखित शब्द जोड़ दिये जायें:—

"और संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से"

[संख्या 213/21/68-ए०वी०डी०-11(खंड-11)]

बी०सी० बंजानी, प्रवर सचिव ।

(Department of Personnel)

New Delhi, the 22nd December 1970

G.S.R. 30.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and all other powers enabling him in this behalf, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Secretariat Service Rules, 1962, namely:—

1. (1) These rules may be called the Central Secretariat Service (Ninth Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Fourth Schedule to the Central Secretariat Service Rules, 1962, under the heading "A-Section Officers Grade", in clause (b) of sub-paragraph (1) of paragraph 2,—

(a) for the word "approved", the word "continuous" shall be substituted;

(b) the following Notes shall be inserted at the end, namely:—

"NOTE I.—The Selection Committee shall consist of a Chairman of the rank of Secretary to the Government of India and three other members of the rank of Joint Secretary to the Government of India.

NOTE II.—The expression "longest period of continuous service" means a continuous service of not less than 22 years in the Grade of Assistant as on the 1st July of the year for which additions to the Select List are to be made.

NOTE III.—For the purpose of selection, the names of such officers shall be arranged according to the length of their continuous service in the Grade of Assistant. The names of officers approved for inclusion in the Select List shall also be arranged in each merit category according to the length of their continuous service in the grade of Assistant."

[No. F.1/3/70-CS(I).]

M. K. VASUDEVAN, Under Secy.

(कार्मिक विभाग)

नई दिल्ली, 22 दिसम्बर, 1970

जी० एस० आर० 30.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस विषय में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति, केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियम 1962 का और संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

1 (1) ये नियम केन्द्रीय सचिवालय सेवा (नौवां संशोधन) नियम 1970 कहे जा सकेंगे।

(2) ये सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2 केन्द्रीय सचिवालय सेवा नियम, 1962 की चौथी अनुसूची में, शीर्षक "क-अनुभाग अधिकारी का ग्रेड" के अन्तर्गत पैरा 2 के उप पैरा की धारा (ख) में, —

(क) शब्द 'अनुमोदित' के लिए शब्द 'लगातार' प्रतिस्थापित किया जाएगा,

(ख) अन्त में निम्नलिखित टिप्पणी जोड़ी जायगी, अर्थात् :—

"टिप्पणी 1 प्रवरण समिति का भारत सरकार के सचिव के पद के बराबर का पदाधिकारी अध्यक्ष होगा तथा भारत सरकार के संयुक्त सचिव के पद के बराबर के तीन पदाधिकारी समिति के सदस्य होंगे।

टिप्पणी 2 "सेवा की लगातार अधिकतम अवधि" अभिव्यक्ति का अभिप्राय सेलेक्ट सूची में अतिरिक्त व्यक्ति सम्मिलित किए जाने वाली वर्ष की पहली जुलाई को सहायक ग्रेड में कम से कम 22 वर्ष लगातार सेवा से हैं।

टिप्पणी 3 वर्ण के लिए, सहायक ग्रेड में लगातार सेवा की अवधि के अनुसार लिए गए अधिकारियों की सूची बनाई जायगी। सेलेक्ट सूची में सम्मिलित किए जाने के लिए अनुमोदित अधिकारियों की सूची भी सहायक ग्रेड में उनकी लगातार सेवा की अवधि के अनुसार प्रत्येक गुण नुक्रम वर्ग में तैयार की जायगी।

[सं० 1/3/70—के० से० (1)]

एम० के० वासुदेवन,
अवर सचिव।

MINISTRY OF LAW

(Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 4th December 1970

G.S.R. 31.—In exercise of the powers conferred by rule 1 of Order XXVII of the First Schedule to the Code of Civil Procedure, 1908 (5 of 1908), the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the Ministry of Law No. S.R.O. 351, dated the 25th January, 1958, relating to the signing and verification of plaints and written statements in suits in any court of Civil jurisdiction by or against the Central Government, namely:—

In the Schedule to the said notification:—

(1) Under the heading "IX—Ministry of Finance", for the existing entries under the sub-heading "Indian Audit and Accounts Department", the following entries shall be substituted, namely:—

"Comptroller and Auditor-General of India.

Deputy Comptroller and Auditor-General of India.

Any additional Deputy Comptroller and Auditor-General.

Any Assistant Comptroller and Auditor-General.

Director of Commercial Audit.

Chief Auditor of Commercial Accounts;

Deputy Chief Auditor of Commercial Accounts.

Accountants General.

Senior Deputy Accountants General.
 Deputy Accountants General.
 Controller of Accounts.
 Chief Auditors, Indian Railways.
 Deputy Chief Auditors, Indian Railways.
 Director of Audit, Defence Services.
 Senior Deputy Director of Audit, Defence Services.
 Deputy Director of Audit, Defence Services.
 Director of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs.
 Deputy Directors of Audit and Accounts, Posts and Telegraphs."

(2) Under the heading "XI—Ministry of Health" the following shall be inserted at the end, namely:—

"Director General of Health Services.
 Additional Director General of Health Services.
 Director of Administration, Dte. G.H.S.
 Deputy Director of Administration, Dte. G.H.S."

(3) Under the heading "XVIII—Ministry of Works, Housing and Rehabilitation", under the sub-heading "Department of Rehabilitation", the following shall be inserted at the end, namely:—

"Deputy Chief Administrator.
 All Zonal Administrators of the Dandakarayana Project.
 Zonal and Tribal Administrator, Pakhanjore.
 All Superintending Engineers and Executive Engineers of Dandakarayana Project.
 Forestry Officer, Dandakarayana Project.
 Superintendent, (Transport and Workshop) Dandakarayana Project.
 Director of Transport and Machinery, Dandakarayana Project.
 Director of Agriculture and Animal Husbandry, Dandakarayana Project.
 Chief Medical Officer, Dandakarayana Project.
 Superintendent of Education, Dandakarayana Project.
 Senior Executive Officer (A) and Senior Executive Officer (P) of Dandakarayana Project.
 Financial Adviser and Chief Accounts Officer of Dandakarayana Projects."

[No. F. 16(1)/70-J.]

DALIP SINGH,
 Deputy Legal Adviser.

(विधि कार्य विभाग)

विधि मंत्रालय

नई दिल्ली, 4 दिसम्बर, 1970

सां कां निं 31.—सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 (1908 का 5) की प्रथम अनुसूची के आदेश 27 के नियम 1 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के विधि मंत्रालय की अधिसूचना सं० कां निं आ० 351 तारीख 25 जनवरी, 1958 में, जो केन्द्रीय सरकार द्वारा या उसके विरुद्ध सिविल अधिकांति वाले किसी न्यायालय में किए गए दावों में वादपत्रों और लिखित कथनों के हस्ताक्षरित किए जाने और सत्यापित किये जाने से संबंधित है, एवम् द्वारा निम्नलिखित और संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में :—

(1) "ix—वित्त मंत्रालय" शीर्षक के नीचे उप-शीर्षक "भारतीय संपरीक्षा और लेखा

विभाग" नीचे विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टियाँ प्रतिस्था-
पित की जाएंगी, अर्थात् :—

“भारत के नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक ।

भारत के उपनियंत्रक और महालेखा-परीक्षक ।

कोई अपर उप-नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक ।

कोई सहायक नियंत्रक और महालेखा-परीक्षक ।

वाणिज्यिक परीक्षा निदेशक ।

वाणिज्यिक लेखा मुख्य-संपरीक्षक ।

वाणिज्यिक लेखा उपमुख्य-संपरीक्षक ।

ज्येष्ठ महालेखापाल ।

ज्येष्ठ उप महालेखापाल ।

उप महालेखापाल ।

लेखा नियंत्रक ।

मुख्य संपरीक्षक, भारतीय रेल ।

उप मुख्य संपरीक्षक, भारतीय रेल ।

संपरीक्षा-निदेशक, रक्षा सेवा ।

संपरीक्षा-ज्येष्ठ उप निदेशक, रक्षा सेवा ।

संपरीक्षा और लेखा निदेशक, डाक और तार ।

संपरीक्षा और लेखा उप निदेशक, डाक और तार ।”

- (2) “Xi-स्वास्थ्य मंत्रालय” शीर्षक के नीचे निम्नलिखित अन्त में अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ।

स्वास्थ्य सेवा अपर महानिदेशक ।

प्रशासन-निदेशक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ।

प्रशासन-उपनिदेशक, स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय ।

- (3) “XIII-निर्माण, आवास और पुनर्वास मंत्रालय” शीर्षक के नीचे उप-शीर्षक “पुनर्वास विभाग” के नीचे निम्नलिखित अन्त में अन्तःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“उपमुख्य प्रशासक ।

दंडकारण्य परियोजना के सभी क्षेत्रीय प्रशासक ।

क्षेत्रीय और जन जातीय प्रशासक, पाखन्जोर ।

सभी अधीक्षक इंजीनियर और कार्यपालक इंजीनियर, दण्डकारण्य परियोजना ।

वन-विज्ञान अधिकारी, दण्डकारण्य परियोजना ।

अधीक्षक (परिवहन और कर्मशाला), दण्डकारण्य परियोजना ।

परिवहन और मशीनरी निदेशक, दंडकारण्य परियोजना ।

कृषि और पशुपालन निदेशक, दंडकारण्य परियोजना ।

मध्य चिकित्सा अधिकारी, दंडकारण्य परियोजना ।

शिक्षा—प्रवीक्षक, दंडकारण्य परियोजना ।

ज्येष्ठ कार्यपालक अधिकारी (ए) और ज्येष्ठ कार्यपालक अधिकारी (बी), दंडकारण्य परियोजना ।

वित्तीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी, दंडकारण्य परियोजना ।”

[सं० फा० 16 (1)/70—आ०]

दलीप सिंह,

उप विधि—सलाहकार, भारत सरकार ।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 16th November 1970

G.S.R. 32.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Hindi Translator in the office of Commissioner for Linguistic Minorities, Allahabad, Ministry of Home Affairs, namely:—

1. **Short title and commencement.**—(1) These rules may be called the Hindi Translator (Office of the Commissioner for Linguistic Minorities, Allahabad), Recruitment Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. **Number, Classification, Scale of Pay, Method of Recruitment, etc.**—The number of post, its classification, the scales of pay attached thereto, the method of recruitment and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 2 to 11 of the Schedules hereto annexed.

3. **Disqualifications.**—(a) No person, who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person, shall be eligible for appointment to the said post:

Provided that the Central Government may if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

4. **Power to relax.**—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect of any class or category of persons.

SCHB-

Recruitment Rules for the posts of Hindi Translator, Grade II in the

Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether selection or non-selection post	Age for direct recruitment	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7
Hindi Translator.	1	General Central Service Class III Ministerial Non-Gazetted.	Rs. 210-10-290-15-320-EB-15-425.	Not applicable	Between 21 years and 30 years.	Essential : Degree of a recognised University with Hindi and English as elective subject. At least 2 years experience in translation from English to Hindi and <i>vice-versa</i> .

DULE

Office of the Commissioner for Linguistic Minorities

Whether age and additional qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotions/deputations/transfers.	Period of probation	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and the percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In the case of recruitment by promotion or transfer/deputation, grades from which promotion or transfer/deputation to be made.	Compo. D.P.C.] sition of	Circumstances in which U.P.S.C. is to be consulted in making recruitment
8	9	10	11	12	13
A3—No. qualifications—Yes.	2 years	Direct recruitment, filling which by deputation or transfer.	Deputation/Transfer : Selection from Upper Division Clerks, Lower Division Clerk in Central Government Offices with 7 years' service as Lower Division Clerk or 5 years' service as Upper Division Clerk and possessing the qualifications specified in Column 7. Period of Deputation : Ordinarily two years which may be extended by another one year.	Not applicable	Not applicable.

[No. 9/21/60-O.L.]

K. P. MISRA, Dy. Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 नवम्बर 1970

सा० का० नि० 32.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति एतद्वारा भाषा-जात अल्प संख्यकों के आयुक्त, इलाहाबाद, गृह मंत्रालय के कार्यालय में हिन्दी अनुवादक के पद के भर्ती की पद्धति के विनियमन के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त शीर्षक और प्रारम्भ: (1) ये नियम हिन्दी अनुवादक (भाषाजात अल्प संख्यकों के आयुक्त का कार्यालय, इलाहाबाद) भर्ती नियम, 1970 के जा सकेंगे।

(2) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. संख्या, वर्गीकरण, वेतनमान, भर्ती की पद्धति आदि : पद की संख्या, इसका वर्गीकरण, इससे संबद्ध वेतनमान, भर्ती की पद्धति तथा उक्त पद से संबंधित अन्य मामले अनुलग्न अनुसूची के कालम 2 से 11 में निर्दिष्ट अनुसार होंगे।

3. प्रायोग्यताएं: (क) जिस पुरुष। महिला ने ऐसी महिला। ऐसे पुरुष से विवाह करने का करार किया हो अथवा विवाह कर लिया हो जिसका पति। जिसकी पत्नी जीवित हो, अथवा

(ख) जिस ने जीवित पत्नी। पति के होते हुए किसी अन्य व्यक्ति के साथ विवाह करने का करार किया हो अथवा विवाह कर लिया हो वह उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा/होगी। बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार संतुष्ट हो कि ऐसे व्यक्ति तथा जिस महिला/पुरुष के साथ उसने विवाह किया हो, उनको लागू निजी कानून के अनुसार ऐसे विवाह की अनुमति है, और ऐसा करने के विशेष कारण हैं जो उस उम्मीदवार को इस नियम से छूट दे सकती है।।

4. छूट देने का अधिकार जहाँ केन्द्रीय सरकार का यह मत हो कि छूट देना आवश्यक या उचित है, वहाँ संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से और लिखित कारणों के आधार पर आदेश द्वारा किसी श्रेणी या वर्ग से संबंधित व्यक्तियों को न नियमों के किस उपबन्ध में छूट दे सकती है।

अनु-

भारत गणतन्त्र संघों के अनुसूचित जातों के हिन्दी अनुवादक प्रड-II

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वर्तमान	प्रवरण	सीधी भर्ती के लिए आयु सीमा	सीधी भर्ती के लिए अपेक्षित शैक्षणिक और अन्य योग्यताएं
-----------	----------------	----------	---------	--------	----------------------------	---

1	2	3	4	5	6	7
हिन्दी अनु- वादक	1	सामान्य केन्द्रीय सेवा श्रेणी-III अनुसूचितों के अराज- पत्रित	रु० 210- 10-290- 15-320- द० रु० 15 425	लागू नहीं होता	21 से 30 वर्ष तक	अनिवार्य : हिन्दी और अंग्रेजी प्रधान विषय के साथ किसी मान्यता प्राप्त विश्वविद्यालय की स्नात- कीय परीक्षा। अंग्रेजी से हिन्दी और हिन्दी से अंग्रेजी में अनु- वाद कार्य का दो वर्ष का अनुभव।

सूची

के पदों के लिए भर्ती के नियम

क्या पदोन्नति/ प्रतिनियुक्ति स्थानान्तरण के आधार पर आने वाले उम्मीदवारों के मामले में सीधी भर्ती के लिए निर्धारित आयु सीमा और शैक्षणिक योग्यताएं लागू होंगी ।	परिवीक्षा की अवधि अर्थात् इसे सीधी भर्ती द्वारा भरा जायेगा अथवा पदोन्नति या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भरा जायेगा और रिक्तियों का कुछ प्रतिशत विभिन्न पद्धतियों द्वारा भरा जायेगा ।	पदोन्नति अथवा स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति द्वारा भर्ती की जानी हो ी पदोन्नति अथवा स्थानान्तरण/प्रतिनियुक्ति इन प्रश्नों म से की जायगी ।	विभागीय पदोन्नति समिति के सदस्य	वे परिस्थितियां जिनमें भर्ती करने के लिए संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना होगा	
8	9	10	11	12	13
आयु सीमा नहीं । योग्यता की शर्त लागू होगी ।	2 वर्ष	सीधी भर्ती द्वारा, अन्यथा प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा ।	प्रतिनियुक्ति / स्थानान्तरण केन्द्रीय सरकारी कार्यालयों में नियुक्त प्रवर श्रेणी लिपिकों, अवर श्रेणी लिपिकों में चयन कर के जिन्होंने अवर श्रेणी लिपिक के रूप में 7 साल की सेवा की हो अथवा प्रवर श्रेणी लिपिक के रूप में 5 साल की सेवा की हो और जिनके पास निर्धारित योग्यताएं हैं ।	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7
---	---	---	---	---	---	---

8 9 10 11 12 13

प्रतिष्ठित की

अवधि :

सन्तुष्टता 2 वर्ष,

सह अवधि 1

वर्ष और बढ़ाई

जा सकती है।

[सं 9/21/19-रा० भा०]

प्राप्त न० दि०,

1971, 12/12/70

(Office of the Registrar General, India)

New Delhi, the 21st November 1970

G.S.R. 33.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules to amend the Office of the Registrar General, India and *ex-officio* Census Commissioner for India (Class III posts) Recruitment Rules, 1970, namely:—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Office of the Registrar General, India and *ex-officio* Census Commissioner for India (Class III posts) Recruitment (Amendment) Rules, 1970.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the Office of the Registrar General, India and *ex-officio* Census Commissioner for India (Class III posts) Recruitment Rules, 1970:—

(1) against the post of Statistical Assistant—

(a) for the entries in column 10, the following shall be substituted, namely:

“By promotion—50 per cent.

By direct recruitment—50 per cent”;

(b) for the entries in column 11, the following shall be substituted, namely:—

“Promotion:—

From amongst Computers with three years' regular service in the grade (Rs. 150—5—160—8—240—EB—8—280—10—300)”;

(2) against the post of Computer—

(a) for the entries in column 10, the following shall be substituted, namely:—

“By promotion—75 per cent

By direct recruitment—25 per cent.”;

(b) for the entries in column 11, the following shall be substituted, namely:—

“Promotion:

Only from amongst Assistant Compilers with a minimum of 3 years' regular service in the grade

(Rs. 110—3—131—4—155—EB—4—175—5—180)”

[No. 2/175/65-RG.]

A. CHANDRA SEKHAR,

Registrar General India and
ex-officio Jt. Secy.

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली, 21 नवम्बर 1970

सा० सा० नि० सं० 33.—संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति भारत के महापंजीकार और पदेन भारत के जनगणना आयुक्त के कार्यालय में तृतीय श्रेणी के पदों की भर्ती के नियम 1970 में संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:

1. (i) संक्षिप्त शीर्षक तथा प्रारम्भ : ये नियम भारत के महापंजीकार और पदेन भारत के जनगणना आयुक्त के कार्यालय में तृतीय श्रेणी के पदों की भर्ती-नियम (संशोधन) 1970 कहे जा सकेंगे।

(ii) ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारत के महापंजीकार और पदेन भारत के जनगणना आयुक्त के कार्यालय में तृतीय श्रेणी के पदों के लिये भर्ती नियम, 1970 की अनुसूची में:—

(i) सांख्यिकी सहायक के पद के सामने :—

(क) कालम 10 में वर्तमान प्रविष्टि की जगह निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे :—

पदोन्नति द्वारा—50%

सीधी भर्ती द्वारा—50%

(ख) कालम 11 में वर्तमान प्रविष्टि की जगह निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे :—

पदोन्नति:—150-5-160-6-240-द०रो० 8-28(-10-300 के ग्रेड में तीन साल की नियमित सेवा वाले कम्प्यूटरों में से।

(ii) कम्प्यूटर के पद के सामने :—

(क) कालम 10 में वर्तमान प्रविष्टि की जगह निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे :—

पदोन्नति द्वारा—75%

सीधी भर्ती द्वारा—25%

(ख) कालम 11 में वर्तमान प्रविष्टि की जगह निम्नलिखित शब्द प्रतिस्थापित किये जायेंगे :—

पदोन्नति:—र० 110-3-131-4-155-द०रो० 175-5-180 के ग्रेड में न्यूनतम तीन वर्ष की नियमित सेवा वाले पद सहायक संकल्प कर्तव्यों (एसिस्टेंट कम्पाईलरों) में से।

[सं० 2/175/65-शा० जो०]

ए० चन्द्रशेखर,

भारत के महापंजीकार और पदेन भारत
सरकार के संयुक्त सचिव।

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 30th November 1970

G.S.R. 34.—In exercise of the powers conferred by clause (2) of article 77, read with clause (1) of article 299, of the Constitution, the President hereby makes the following rule, namely:—

All applications, certificates or other documents required or permitted to be executed in exercise of the executive power of the Union in pursuance of the provisions of the following Loan Agreements and Development Credit Agreements shall be executed and authenticated on behalf of the President by either the Senior Accounts Officer in the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance, or by any of the Accounts Officers in the Department of Economic Affairs, Ministry of Finance:

1. Loan Agreement No. 614-IN (Tarai Seeds Project) entered into between the Government of India and the International Bank for Reconstruction and Development on the 18th June, 1969;
2. Development Credit Agreement No. 191-IN (Gujarat Agricultural Credit Project) entered into between the Government of India and the International Development Association on the 3rd June, 1970.
3. Development Credit Agreement No. 203-IN (Punjab Agricultural Credit Project) entered into between the Government of India and the International Development Association on the 24th June, 1970.

[No. F. 2(46)/69-FB.II.]

By Order and in the name of the President,
G. V. RAMAKRISHNA, Director.

वित्त मंत्रालय

(अर्थ विभाग)

नयी दिल्ली, 30 नवम्बर 1970

सा० क० नि० 34—संविधान के अनुच्छेद 299 के खंड (i) के साथ पठित अनुच्छेद 77 के खंड (2) के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए राष्ट्रपति एवम् द्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

निम्नलिखित ऋण करारों और विकास करारों के उद्देश्यों के अनुसरण में संघ की कार्यकारी शक्तियों का प्रयोग करते हुए जिन आवेदन पत्रों, प्रमाणपत्रों अथवा अन्य कागजातों का निष्पादन किया जाना आवश्यक है अथवा जिनके निष्पादन की अनुमति दी गयी है व सब राष्ट्रपति की ओर से वित्त मंत्रालय के अर्थ विभाग के बरिष्ठ लेखा अधिकारी या वित्त मंत्रालय के अर्थ विभाग के किसी लेखा अधिकारी द्वारा निष्पादित और अधिप्रमाणित किये जायेंगे :—

1. भारत सरकार तथा अन्तराष्ट्रीय पुनर्निर्माण और विकास बैंक के बीच 18 जून, 1969 को हुआ ऋण करार संख्या 614-आई एन० (तराई बीज प्रयोजना)।
2. भारत सरकार तथा अन्तराष्ट्रीय विकास संघ के बीच 3 जून, 1970 को हुआ विकास ऋण करार संख्या 191-आई० एन० (गुजरात कृषि ऋण प्रयोजना)।
3. भारत सरकार और अन्तराष्ट्रीय विकास संघ के बीच 24 जून, 1970 को हुआ विकास ऋण करार संख्या 203-आई० एन० (पंजाब कृषि ऋण प्रयोजना)।

[संख्या एफ० 2(46)/69-एफ० बी० 11]

राष्ट्रपति के आदेश और नाम से,
जी० वी० रामकृष्ण, निदेशक

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 21st December 1970

G.S.R. 35.—In pursuance of clause (x) of rule 2 of the Government Savings Certificates Rules, 1965, the Central Government hereby authorises the deposit offices (office of the State Bank of India and offices of its subsidiary banks), specified in the notifications of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. F. 3(4)-NS/65, dated the 14th February, 1966 (GSR 291) and No. F. 3(4)-NS/65, dated the 18th May, 1966 (GSR 803), also to issue 7-year National Savings Certificates (II Issue)—Bank Series, 7-year National Savings Certificates (III Issue)—Bank Series and 7-year National Savings Certificates (IV Issue) Bank Series.

[No. F. 3(15)-NS/70.]

(आर्थिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 21 दिसम्बर 1970

सां कां नि० 35.—सरकारी बचत प्रमाणपत्र नियम, 1965 के नियम 2 के खण्ड (भ) के अनुसरण में केन्द्रीय सरकार एतद्वारा भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) की अधिसूचना सं० फा० 3(4) रा ब/65 तारीख 14 फरवरी 1966 (सां कां नि० 291) और सं० फा० 3(4) रा० ब०/65 तारीख 18 मई 1966 (सां कां नि० 803) में विनिर्दिष्ट निक्षेप कार्यालयों (भायतीय राज्य बैंक के कार्यालयों और इसके समनुषंगी बैंकों के कार्यालयों) को 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाण पत्र (द्वितीय पुरोधरण) — बैंक आवलि 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (तृतीय पुरोधरण) — बैंक आवलि और 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (चतुर्थ पुरोधरण) — बैंक आवलि भी जारी करने के लिए प्राधिकृत करती है।

[फा० 3(15) — रा० ब० /70]

G.S.R. 36.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Government Savings Certificates Act 1959 (46 of 1959) the Central Government hereby notifies that the provisions of the said Act shall apply to (a) the 7-year National Savings Certificates (II Issue) Bank Series; (b) the 7-year National Savings Certificates (III Issue) Bank Series and (c) the 7-year National Savings Certificates (IV Issue) Bank Series.

[No. F. 3(15)-NS/70.]

B. MAITHREYAN, Jt. Secy.

सां कां नि० 36.—सरकारी बचत प्रमाण-पत्र अधिनियम 1959 (1959 का 46) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा यह अधिसूचित करती है कि उक्त अधिनियम के उपबन्ध (क) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (द्वितीय पुरोधरण) बैंक आवलि (ख) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (तृतीय पुरोधरण) बैंक आवलि और (ग) 7-वर्षीय राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (चतुर्थ पुरोधरण) बैंक आवलि को लागू होंगे।

[सं० फा० 3(15) — राष्ट्रीय बचत/70]

बी० मैथ्रेयन,

संयुक्त सचिव (बजट)।

(Department of Revenue and Insurance)

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 2nd January 1971

G.S.R. 37.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government thereby exempts bends, pipes, strainers and other such fittings, falling under Item 23C of the First Schedule to the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), and manufactured out of a mixture of cement and crude brittle asbestos associated with other materials by the same manufacturer in one or more premises, from the whole of the duty of excise leviable thereon:

Provided that—

- (i) no power is used in any of the processes of such manufacture;
- (ii) number of workers employed on any day by the manufacturer in one or more such premises does not exceed twenty; and
- (iii) asbestos cement sheets are not manufactured in the same premises in which the manufacture of bends, pipes, strainers and other fittings is carried out.

[No. 1/70-CE—F.No. 11/2/70-CX4.]

S. K. GHOSHAL, Under Secy.

केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

(राजस्व और वी श विभाग)

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1971

सा० का० नि० 37.—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्द्वारा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और नमक अधिनियम, 1944 (1944 का 1) की प्रथम अनुसूची की मद सं० 23 ग के अन्तर्गत आने वाले और एक या अधिक परिसरों में एक ही विनिर्माता द्वारा अन्य सामग्री के सहवर्तन में सीमेंट और अपरिष्कृत भंगुर एस्बेस्टास के मिश्रण में से विनिर्मित बेंडों, पाइपों, छन्नों और फिटिंग की ऐसी अन्य वस्तुओं को उन पर उद्ग्रहणीय समस्त उत्पाद शुल्क से छूट देती है :

परन्तु यह तब जब कि—

- (1) ऐसे विनिर्माण की प्रक्रियाओं में सं किसी में किसी विद्युत शक्ति का प्रयोग न किया गया हो;
- (2) विनिर्माता द्वारा एक या अधिक परिसरों में किसी दिन नियोजित कर्मकारों की संख्या बीस से अधिक न हो; और
- (3) एस्बेस्टास सीमेंट शीटें उसी परिसर में विनिर्मित न की जाती हों जिन में बेंडों, पाइपों छन्नों और अन्य फिटिंग का काम किया जाता है ।

[सं० 1/71-सी० ई०—का० न० 11/2/70-सी० ए० 4]

एस० के० घोषाल, अवर सचिव ।

(Department of Revenue and Insurance)

CENTRAL EXCISES

New Delhi, the 2nd January 1971

G.S.R. 38.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (1) of rule 8 of the Central Excise Rules, 1944, the Central Government hereby rescinds the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 133/63-Central Excises, dated the 10th August, 1963.

[No. 2/71-CE/F. No. 11/13/70-CX-3.]

P. R. KRISHNAN, Under Secy.

(राजस्व और बीमा विभाग)

कन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1971

सा० का० नि० 38.—केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क नियम, 1944 के नियम 8 के उपनियम (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारत सरकार के वित्त मंत्रालय (राजस्व और बीमा विभाग) की तारीख 10 अगस्त, 1963 की अधिसूचना सं० 133/63 को एतद्वारा विरुद्धित करती है।

(सं० 2/71/सी० ई०/फा० सं० 11/13/70-सी० एम० एस० 3]

पी० आर० कृष्णन्,

अवर सचिव ।

(Department of Revenue and Insurance)

CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 2nd January 1971

G.S.R. 39.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 75, read with sub-section (3) of section 160, of the Customs Act, 1962 (52 of 1962) and section 37 of the Central Excises and Salt Act, 1944 (1 of 1944), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960, namely:—

1. These rules may be called the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) 1st Amendment Rules, 1971.

2. In the Customs and Central Excise Duties Export Drawback (General) Rules, 1960,—

(a) in the First Schedule, after serial No. 131 and the entries relating thereto, the following shall be inserted, namely—

132. 5 to 6.2 mm. thick laminated safety sheet glass made from indigenous sheet glass and clear interlayer Rs. 21.36 per square metre."

(b) in the second Schedule, for serial No. 69 and the entry relating thereto, the following shall be substituted, namely:—

"69. Laminated safety glass and toughened sheet glass, not otherwise specified."

[No. 1/F. No. 69/2/69-DBK.]

V. R. SONALKAR, Dy. Secy.

(समाख्य और बीमा विभाग)

सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1971

सं० का० नि० 39.—सीमा शुल्क अधिनियम 1962 (1962 का 52) की धारा 160 की उपधारा (3) के साथ पठित धारा 75 की उपधारा (2) और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और समक अधिनियम 1944, (1944 का 1) की धारा 37 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960, में और आगे लागू करने के लिए एतद्द्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. ये नियम सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) 1960 के संशोधन नियम, 1971 कहे जा सकेंगे।

2. सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निर्यात वापसी (साधारण) नियम, 1960 में

(क) प्रथम अनुसूची में क्रम संख्या 131 और तत्संबंधी प्रविष्टियों के पश्चात् निम्नलिखित अतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“132 देशी शीट ग्लास और साफ अंतःपरत 21.36 रु० प्रति वर्ग मीटर से बना 5 से 6.2 मि०मी० मौटा लेमिनेटेड सेफ्टी शीट ग्लास

(ख) द्वितीय अनुसूची में क्रमसंख्या 69 और तत्संबंधी प्रविष्टि के स्थान निम्नलिखित प्रतिस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“69 लेमिनेटेड सेफ्टी ग्लास और कड़ा किया गया शीट ग्लास जो अन्यथा विनिर्दिष्ट नहीं है।”

[संख्या 1/फा०सं० 69/2/69-डी०बी०के०]

वि० आर० सोनलकर,
उप सचिव, भारत सरकार।

